



वैशाली
ताछा अँड सारिज

FANCY SHALU • LACHA • LEHENGAS

YEOLA PAITHANI • PESHWAI

POSITION PRINT • RANG KAT

FANCY SILK • ORGANZA WORK

H.O. SARK • SOUTH SILK

SILK SAREE • DHARMAVARAM

WEDDING ONE PIECE / GOWN

लहंगा और साडीयों की महारानी

Sarafa Bazar, Itwari Nagpur | Time:10.00-7.30

9529081789, 9325611251 SUNDAY CLOSED

रिश्वत मामले के आरोपी की दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार राजन एवेन्सु कोर्ट के आरोपी अहमद की अग्रिम जमानत और मामला रद्द करने की याचिका पर सुनवाई हुई. मामले पर सुनवाई कर रहे जस्टिस तुषार गेटेडले ने आरोपी की ओर से पेश सीनियर मोहित माथुर से कहा कि आपने जो लिखा है उसमें आप मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग कर रहे हैं. इस दौरान एडिशन स्ट्रेडिंग कार्डसिल सजीव भंडारी ने कहा कि हमने कुछ सामग्री रिकॉर्ड पर दर्ज की है. हमने और सामग्री इकट्ठा की है, उसे रिकॉर्ड पर रखेंगे. मोहित माथुर ने कोर्ट को बताया कि हमें अग्रिम जमानत के लिए अलग से याचिका दाखिल करने को कहा गया था. सेशन कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी. दायर याचिका पर हमारा जोर पक्षपात पर आधारित है. हमने याचिका को ट्रांसफर करने के लिए कहा. कोर्ट ने कहा कि स्टेट्स रिपोर्ट आपके लिए दुर्भाग्यशाली है, जांच चल रही है, हम यह तय नहीं कर रहे हैं कि यह सही है या गलत. इसमें कुछ ऐसा खुलासा हुआ है जो जाहिर तौर पर आपको फंसाता हुआ मालूम होता है. आपने हमारी भावना को ठेस पहुंचाई है, हम आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं. सजीव भंडारी ने मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने की मांग की और कहा कि अगर मैं और सामग्री पेश करता हूं, तो अदालत तय करेगी कि यह प्रासंगिक है या नहीं. मोहित माथुर ने कहा कि पक्षपात का मामला बनाया गया, जिससे मुश्किलें बढ़ गईं. इस केस की पूरी शुरुआत ही जांच अधिकारी से हुई. जिस जांच अधिकारी के खिलाफ मैंने शिकायत की थी, उसी को इस केस में भी जांच अधिकारी बनाया गया है. 30 फरवरी तक न्यायिक अधिकारी के खिलाफ कुछ नहीं था. 16 मई को एफआईआर हुई.

रांची एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला इंडिगो फ्लाइट की पक्षी से टक्कर के बाद इमरजेंसी लैंडिंग



रांची. रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सोमवार को बड़ा हादसा टल गया. यहां इंडिगो की फ्लाइट टेक ऑफ के समय एक पक्षी से टकरा गई. जिसके बाद पायलट ने विमान की सुरक्षित आपात लैंडिंग कराई. हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और विमान में सवार सभी 175 यात्री बाल-बाल बच गए. लोगों ने पायलट की सूझबूझ की सराहना की है. जानकारी के मुताबिक पटना से उड़ान भरकर इंडिगो एयरलाइंस का विमान रांची एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था. लेकिन अचानक से एक पक्षी फ्लाइट टकरा गया, जिसके बाद पायलट ने पहले तो अपना संतुलन खोया, लेकिन बाद में संतुलन संभालते हुए करीब 40 मिनट तक हवा में रहा इसके बाद सफलतापूर्वक उन्होंने विमान

पीएम से मिलेंगे ऑपरेशन सिंदूर डेलिगेशन के सदस्य

9-10 जून को हो सकती है मुलाकात

नई दिल्ली.

पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर विदेशों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मिल सकते हैं. विदेश दौरे से लौटने के बाद 9-10 जून को मुलाकात हो सकती है. जानकारी के मुताबिक, डेलिगेशन के सदस्य प्रधानमंत्री मोदी को दुनियाभर में हुई बातचीत की जानकारी देंगे. दुनिया भर में सात प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर पर कई देशों का दौरा कर भारत का पक्ष रख रहे हैं. ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पाक और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करना



था. यह अभियान 22 अप्रैल को पहलगा में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे. इस ऑपरेशन के बाद केंद्र सरकार ने वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और पाक-प्रायोजित आतंकवाद को उजगार करने के लिए एक सर्वदलीय डेलिगेशन भेजने

का फैसला किया था. 7 मई को हुई थी ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत, पहलगा हमले का बदला लेने के लिए भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया था. ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत ने पाकिस्तान और पोंओके में आतंकी के ठिकानों को ध्वस्त किया था. भारत ने एकसाथ आतंकी के 9 ठिकानों को टारगेट

क्या है सर्वदलीय डेलिगेशन का उद्देश्य

सर्वदलीय डेलिगेशन का उद्देश्य यह था कि भारत का पक्ष दुनिया के सामने मजबूती से रखना, पाकिस्तान ने प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करना, ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति के रूप में प्रस्तुत करना और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना कि भारत की कार्यवाई संतुलित, सटीक और गैर-विस्तरवादी थी, जिसमें केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया.

कर उसे तबाह किया था. भारत के इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए. इस हमले के बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमले की कोशिश की. भारत ने पाक को दिया मुंहतोड़ जवाब, मगर भारत ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया. भारत ने पाकिस्तान के सभी हमले को नाकाम कर दिया. भारत के जवाबी हमले से डरकर पाकिस्तान ने युद्धविराम की बात

समृद्धि महामार्ग का अंतिम हिस्सा 5 को होगा शुरू

सीएम फडणवीस करेंगे उद्घाटन



मुंबई.

महाराष्ट्र के महत्वाकांक्षी समृद्धि महामार्ग का अंतिम 76 किलोमीटर का हिस्सा 5 जून 2025 से आम लोगों के लिए खुल जाएगा. सूबे के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस हिस्से का उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही 701 किलोमीटर लंबे मुंबई-नागपुर सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे का सफर लोगों के लिए आसान हो जाएगा. इस बात की जानकारी महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के सुजों ने दी. इस एक्सप्रेस-वे के आखिरी चरण के खुलने से अब वाहन चालकों को मुंबई से नागपुर जाने में काफी सहूलियत होगी. यह खंड 1,182 करोड़ की अनुमानित लागत से तैयार किया गया है, जिसकी वित्तीय साझेदारी एमएसआरडीसी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने की है. इस हिस्से में तीन इंटरचेंज बनाए गए हैं. इगतपुरी, शाहपुर के कुतघर में और ठाणे के अमाणे में इंटरचेंज बनाए गए हैं. एमएसआरडीसी के मुताबिक इस खंड में 7.8 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है, जो देश की सबसे लंबी सुरंग है. महाराष्ट्र का ये अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है. **90 मिनट से घटकर 40 मिनट का होगा सफर:** फिलहाल पुराने मुंबई-नासिक राजमार्ग से वाहन चालकों को कसारा घाट से होते हुए पश्चिमी घाट की 450 मीटर ऊंचाई

तक चढ़ना पड़ता है. समृद्धि महामार्ग के इस नए खंड से ऊंचाई केवल 160 मीटर तक सीमित रह जाएगी और इगतपुरी से अमाणे की यात्रा का समय 90 मिनट से घटकर मात्र 40 मिनट रह जाएगा, जिससे वाहन चालकों का काफी समय बचेगा और उन्हें आसानी भी होगी. इस खंड के चालू होते ही 701 किलोमीटर लंबा नागपुर-मुंबई समृद्धि महामार्ग पूरी तरह से चालू हो जाएगा, जिससे नागपुर से मुंबई की यात्रा का समय 16 घंटे से घटकर केवल 8 घंटे रह जाएगा. 55,000 करोड़ की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेस-वे 150 किमी प्रति घंटा की गति के लिए डिजाइन किया गया है और इसमें 33 प्रमुख पुल, 274 लघु पुल, 65 फ्लाईओवर और 6 सुरंगें शामिल हैं, जिनमें से सबसे लंबी सुरंग कसारा घाट में है. यह महामार्ग 10 जिलों और 390 गांवों से होकर गुजरता है. उम्मीद है कि इसके जरिए महाराष्ट्र में व्यापार, परिवहन और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी.

दिल्ली विधानसभा नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली.

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि विधानसभा नियमावली के नियम 280 की समीक्षा की जाएगी और उसमें संशोधन कर उसे लोकसभा और राज्यसभा की प्रक्रिया के अनुरूप बनाया जाएगा. यह बदलाव एनसीटी दिल्ली (संशोधन) अधिनियम, 2021 के अनुसार किया जाएगा. इसके साथ ही विधान भाषा को सरल बनाने और लैंगिक-निरपेक्ष शब्दों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जाएगा ताकि विधानसभा की कार्यप्रणाली अधिक समावेशी, स्पष्ट और समानता आधारित बन सके. दरअसल आठवीं विधानसभा अपने 100वें कार्य दिवस (4 जून 2025) के निकट पहुंच रही है. इस दौरान कई ऐतिहासिक निर्णय और सुधार किए गए हैं. इन उपलब्धियों को चिन्हित करने के लिए एक विशेष

> लोकसभा-राज्यसभा की प्रक्रिया के अनुरूप होंगे नियम



रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जा रहा है, जिसमें विधानसभा के पहले 100 दिनों की प्रमुख उपलब्धियां, निर्णय और सुधारों का विवरण होगा. यह प्रकाशन पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारवादी शासन के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा. अब तक 2 पूर्ण सत्र और कुल 12 बैठकें, अब तक दो पूर्ण सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि पहले हर साल केवल एक सत्र होता था. कुल 12 बैठकें हुईं, जिनमें 46 घंटे 16 मिनट तक कार्य हुआ जो पिछले 25 सालों में सबसे अधिक रहा है जिसमें कई बार

केंद्र सरकार कर रही मदद

अध्यक्ष ने यह भी बताया कि इस प्रयास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है. केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र के सहयोग से दिल्ली विधानसभा को एक राष्ट्रीय स्तर की धरोहर और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां इतिहास, संस्कृति और नागरिक शिक्षा का अनूठा संगम होगा.

कार्यवाही शाम 7 बजे तक चली. अब सदन को अवसान (प्रोरोगएड) किया जा रहा है, न कि अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, जो अधिक नियोजित और जवाबदेह विधान कार्य प्रणाली की ओर संकेत करता है. ट्रांसजेंडर और दिव्यांग लोगों के लिए समितियां गठित विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और ट्रांसजेंडर व दिव्यांग व्यक्तियों के हितों की रक्षा हेतु दो नई समितियां गठित की गई हैं. इन समितियों के ढांचे और कार्यप्रणाली को नियम समिति के समक्ष प्रस्तुत

बिहार का प्रसिद्ध सोनपुर मेला होगा आधुनिक

पटना. बिहार का सोनपुर मेला एशिया भर में विख्यात है. देश-विदेश के तमाम सैलानी यहां आते हैं. बिहार सरकार अब सोनपुर मेले के आधुनिकीकरण का प्लान बना रही है. मेले के आधुनिकीकरण के लिए सरकार ने 24.28 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं. प्लान के मुताबिक मेले के दौरान सैलानियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, हर तरह की सुविधाएं मिले- इसकी तैयारी की

जा रही है. बिहार में पर्यटन, रोजगार और राजस्व बढ़ाने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है. इस संबंध में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूरी जानकारी सामने रखी है. उन्होंने कहा कि सोनपुर मेला खंडित, सागन में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास और आधुनिकीकरण के लिए 24.28 करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृत दे दी गई है. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि

स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 की उप-योजना के तहत सोनपुर मेला विकास की योजना को मंजूरी दी गई है. इससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि सरकार सोनपुर मेले को देशभर में ही नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यटन के लिए डिजिटल और पर्यावरण-संवेदनशील स्थल के रूप में विकसित कर रही है.

रूस-यूक्रेन जंग में तुर्किए का डबल गेम बेनकाब

पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रूस को दी मदद

अंकारा.



तुर्किए एक ऐसा देश है, जो एक तरफ इस्लामिक देशों का नेतृत्व करने की कोशिश करता है, दूसरी तरफ पश्चिमी देशों के साथ भी गहरे संबंध बनाए रखता है. रूस-यूक्रेन जंग में तुर्किए की भूमिका शुरू से ही डिप्लोमैटिक बैलेंस पर टिकी रही है, लेकिन अब जो खबर सामने आई है, उसने साफ कर दिया है कि तुर्किए ने रूस के साथ डबल गेम खेला है. जब अमेरिका और यूरोपीय देश रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहे थे, तब तुर्किए ने न सिर्फ उसका खुलकर विरोध किया, बल्कि रूस के लिए कई बार मददगार की भूमिका भी निभाई. तुर्की ने रूसी नागरिकों, टूरिस्ट्स और यहां तक कि प्रवासियों के लिए अपने दरवाजे खुले रखे. कई रूसी कंपनियों ने तुर्किए को अपना नया व्यापारिक अड्डा भी बना लिया था. लेकिन अब खुलासा हुआ है कि तुर्किए ने यूक्रेन को वो खतरनाक ड्रोन दिए, जिनसे यूक्रेन ने रूस के करीब 40 बमवर्षक और लड़ाकू विमान तबाह कर दिए. ये ड्रोन हैं बायरक्टर टीबी2, जो तुर्किए में बने हैं और दुनिया भर में अपनी मारक क्षमता के लिए जाने जाते हैं. बायरक्टर टीबी2 एक हाईटेक लड़ाकू ड्रोन है, जिसे निगरानी और हमले दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है. इसका डिजाइन सिंपल लेकिन घातक

है इसमें पंख सीधा, पीछे प्रोपेलर और सटीक निशाना लगाने की क्षमता. इसकी पहली उड़ान 2014 में हुई थी और अब तक 600 से ज्यादा यूनिट्स बनाए जा चुके हैं. यूक्रेन को 2019 से लेकर 2022 तक 72 ड्रोन मिले और युद्ध के बाद तुर्किए ने 8 ड्रोन और तैनात किये थे. जानकारी का मानना है कि तुर्किए ने ये ड्रोन सिर्फ यूक्रेन की मदद के लिए नहीं दिए, बल्कि यह कदम अमेरिका और नाटो को खुश करने के लिए भी उठाया गया. तुर्किए नाटो का सदस्य देश है और उस पर अमेरिका का हमेशा दबाव बना रहता है कि वह रूस से दूरी बनाए रखे. ऐसे में तुर्किए ने एक तरफ दोस्ती का दिखावा करते हुए, दूसरी ओर रूस के दुश्मन यूक्रेन को हथियार देकर डबल गेम खेला. इस पूरे घटनाक्रम ने रूस और तुर्किए के रिश्तों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है. पुतिन सरकार इस कदम को तुर्किए की पीठ में छुरा घोंपने जैसा मान रही है. वहीं अंतरराष्ट्रीय मंच पर तुर्किए खुद को मध्यस्थ दिखाने की कोशिश कर रहा है. लेकिन सच्चाई यही है अब तुर्किए न भारत का भरोसेमंद रहा, न ही रूस का.

नाटो में शामिल हो सकता है तालिबान

> रूस और पाकिस्तान में मची हलचल



मास्को. अफगानिस्तान की तालिबान सरकार नाटो की सदस्यता लेने की तैयारी में जुट गया है. इसका खुलासा रूस के विदेश मंत्री लावरोव ने किया है. लावरोव के मुताबिक अमेरिका और पश्चिमी देश अफगानिस्तान को नाटो मेंबर बनाने की कवायद में जुटा है. ऐसा होता है तो रूस इसे बर्दाश्त नहीं करेगा. वहीं लावरोव के इस बयान ने पाकिस्तान की भी नींद उड़ा दी है. दरअसल पाकिस्तान का पश्चिमी भाग अफगानिस्तान से लगा है. पाकिस्तान और अफगानिस्तान बॉर्डर की लंबाई करीब 2600 किमी है. रूस ने अफगानिस्तान के नाटो में शामिल होने की बात उस वक्त कही है, जब पाकिस्तान ने पहली बार काबुल में दत्तावास खोलने का फैसला किया है. रविवार को काबुल में पाकिस्तान ने दत्तावास खोलने का ऐलान किया था. पाकिस्तान पहला देश है, जिसने तालिबान शासन में दत्तावास खोलने का फैसला किया है. 2021 में अफगानिस्तान की चुनौ हुई सरकार

को बंदूक के बल पर तालिबानियों ने भगा दिया, तब से तालिबान को किसी भी देश ने आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है. लावरोव के मुताबिक नाटो की कोशिश रूस को अफगानिस्तान से अलग-थलग करने की है. ऐसा होता है तो अफगानिस्तान स्वतंत्र नहीं रह पाएगा. अफगानिस्तान पाकिस्तान का पड़ोसी मुल्क है. नाटो की सदस्यता अगर अफगानिस्तान को मिलती है तो पाकिस्तान उस पर कभी भी हमला नहीं कर पाएगा. दरअसल, नाटो के संविधान के मुताबिक उसके किसी एक सदस्य पर अटैक होता है तो उसे संगठन सभी सदस्यों पर हमला मानता है. यानी अफगानिस्तान पाकिस्तान पर अटैक भी करता है या कोई ज़रूरत भी करता है, तो पाकिस्तान के पास चुप रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा. वर्तमान में अफगानिस्तान से प्रायोजित आतंकवादियों को लेकर पाकिस्तान मुखर है. अफगानिस्तान इस मुद्दे पर चुपभी साधे रहता है.

रूस के एयरबेस पर यूक्रेन का ड्रोन से हमला

क्यीव. रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन ने रूस के एयरबेस पर किये गए एफपीवी ड्रोन हमले को हाल के समय की सबसे रणनीतिक और अनेक्टिव सैन्य कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है. इस हमले ने न सिर्फ रूस की सैन्य संरचना को झटका दिया बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि अब युद्ध के तरीकों में कितनी तेजी से बदलाव आ रहा है. यूक्रेन के ड्रोन हमले, और भारत की तैयारी पर क्या कह रहे एक्सपर्ट? भारत के डिफेंस एक्सपर्ट्स और पूर्व सेना अधिकारी कर्नल देवेश सिंह (रिटायर्ड) ने आजतक से बातचीत में कहा कि यह हमला न सिर्फ शांनदार योजना का हिस्सा था बल्कि यह भविष्य के युद्ध की झलक भी है.



जीवन ना तो भविष्य में है, ना ही अतीत में है
जीवन तो केवल वर्तमान में है

बेकार का डर

✚ भारत और पाकिस्तान के बीच का हालिया टकराव किसी भी वक्त ऐसे मोड़ पर नहीं पहुंचा, जब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत आई हो - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान का यह बयान आशंकाओं को दूर करने के साथ ही एटमी ताकत के रूप में नई दिल्ली की परिपक्वता और जिम्मेदारी के भाव को भी दिखाता है।सीडीएस ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं ने तार्किक रख अपनाया यानी उन्होंने पाकिस्तान को भी उसके हिस्से का श्रेय दिया, जो उनका बड़प्पन है। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी तनाव बढ़ता है, तो पश्चिम की तरफ से सबसे पहली चिंता यही जताई जाती है कि अगर टकराव हुआ तो वह परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है।

कारगिल से लेकर बालाकोट तक, अतीत में कई बार ऐसा हो चुका है। यहां तक कि कारगिल को लेकर कहानियां तक फैल चुकी हैं कि परमाणु युद्ध आसन्न था, पर अमेरिकी दखल से टल गया। इस बार भी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप एटमी वॉर रूकवाने के लिए खुद से अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। विडंबना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का इकलौता कर्लक अमेरिका के ही माथे है। पश्चिम का यह अंदेशा दरअसल भारत की क्षमताओं को कम करके आंकना है। परमाणु हथियार किसी भी युद्ध का अंतिम विकल्प हैं और

बद्रीनाथ धाम में कौन सा फूल चढ़ाया जाता है



✚ बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु बद्रीनाथ के रूप में पूजे जाते हैं. यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है जहां भगवान विष्णु की पूजा की जाती है. यहां शालिग्राम पत्थर की स्वयंभू मूर्ति है, जो भगवान बद्रीनाथ जी की है. बद्रीनाथ धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी के तट पर नर और नारायण नामक दो पर्वतों के बीच स्थित है. बद्रीनाथ धाम में मुख्य रूप से भगवान विष्णु को तुलसी दल (तुलसी के पते) और ब्रह्म कमल के फूल चढ़ाए जाते हैं. बद्रीनाथ धाम में भगवान बद्री विशाल की पूजा में तुलसी दल का अत्यधिक महत्व है. मान्यता है कि भगवान बद्रीनाथ फूलों से नहीं, बल्कि तुलसी से प्रसन्न होते हैं. बिना तुलसी के भगवान बद्रीनाथ की पूजा अधूरी मानी जाती है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने धर्मध्वज की पुत्री बिंद्रा को वचन दिया था कि वह कलियुग में उसे तुलसी के रूप में स्वीकार करेंगे. बद्रीनाथ क्षेत्र में एक विशेष प्रकार की तुलसी पाई जाती है, जिसे बद्री तुलसी कहा जाता है, जो माता लक्ष्मी का ही एक रूप मानी जाती है. इसी बद्री तुलसी का प्रयोग भगवान बद्रीनाथ की पूजा में किया जाता है. ब्रह्मकाल एक दुर्लभ और नाजुक फूल है जो हिमालय के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगता है. इसे हिंदू धर्म में एक पवित्र फूल माना जाता है और अक्सर इसे भगवान विष्णु और उनके विभिन्न अवतारों से जोड़ा जाता है. बद्रीनाथ मंदिर सहित केदारनाथ में भी ब्रह्मकमल की प्रतिमाओं पर चढ़ाया जाता है. यह भगवान विष्णु की दिव्य कृपा का प्रतीक माना जाता है. इसलिए बद्रीनाथ धाम के साथ केदारनाथ धाम में ब्रह्मकमल चढ़ाना बहुत ही शुभ माना जाता है.

चलो, रेत निचोड़ी जाए

✚ इस महापरिवर्तन के आपत्तिजनक दौर में हिंदी कविता के विवादों और आक्षेपों से घिरे होने के बावजूद, उसे अनेकानेक रूपों में अभिव्यंजित और रूपायित करने वाले अधिसंख्य रचनाकारों से हम रू-ब-रू रहे हैं। पर, अपने सनातनी लक्षणों के विपरीत अब वह कहीं भी फूहड़ या अलहड़ नज़र नहीं आ रही है। निःसंदेह, काव्य सृजन में आई इस बाढ़ में वह हर कदम पर निखरती आ रही है। यह दौर अजीबो-गरीब ज़रूर है, जिसमें कविता की चाल-ढाल बेशक समय के अनुरूप बदली हुई है तथा उसकी ज़बान से फूटने वाले शब्द निरे सपने दिखाने और कभी भी साकार न होने वाले चित्र नहीं उकेरते हैं, बल्कि समाज में जो कुछ ही नकारात्मक हो रहा है, उसके विरुद्ध उसके उठे हुए नाजुक हाथों में एक ख़ुदग दिखाई दे रहा है जिससे वह इंगितानों के खिलाफ़ सिर उठा रहे बुरे तत्वों का शिरोच्छेदन चुन-चुन कर करना चाह रही है। सतत रचनाशील रचनाकारों में काव्य सृजन के प्रति गंभीर चेतना का संचार स्पष्ट रूप से नज़र आ रहा है।

अब वे कविता के लिए, गिने-चुने अपवादों को छोड़कर, अपरिहार्य छांदिक अनुशासनों का भी पालन करने लगे हैं। कविता को शिल्पगत परंपरा से जोड़ते हुए हिंदी में लिखी जा रही गज़लों और नवगीतों में ऐसा साफ़ परिलक्षित हो रहा है। जो कवि छांदिक कविताएँ लिख रहा है, वह रबर-छंद और ग़ैर-मात्रिक काव्य शैली का प्रयोग करने से भी कोई परहेज़ नहीं कर रहा है। उसकी जो कविताएँ छांदिक परंपरा का निवाह नहीं करती हैं, उन्में भी एक प्रकार का रिस्म और सांगीतिक झंकार है। उन्होंने प्रायोगिक तौर पर मात्रिकता को दरकिनार करते हुए भी नवगीतों में लय और रिदम को बनाए रखा है। यही बात हिंदी गज़लों में भी साधारणतया देखने को मिल रही है। आरंभ में हिंदी गज़ल को भी सरस और प्रवाहपूर्ण हिंदी कविता के मात्रिक अनुशासनों के अनुरूप ढाला जाता है। ख़ुद हिंदी के गज़लकारों ने भी शुरुआती दौर में बड़ी यत्नमत्ता और तन्मयता से छांदिक परंपरा का पालन किया। परंतु, अब उसमें भी मात्रिक अनुशासन के बजाय प्रवाह पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाने लगा है। जब रचनाकार से पूछा जाता है कि उसने अपनी फ़लां गेय कविता में छांदिक नियमों को तोड़ा है तो वह साफ-साफ़ कह देता है कि 'श्रीमन, आप यह क्यों नहीं देखते कि उस कविता में कितनी रवानगी-सादागी और काव्य-सुलभ सरसता है ?'

संपादकीय

तेज प्रताप यादव को माफी क्यों नहीं दे सकते लालू यादव

तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से अब आधिकारिक तौर पर निकाल दिया गया है. आरजेडी की तरफ से एक लाइन का आदेश जारी हुआ है. ध्यान देने वाली बात ये है कि ये तेज प्रताप के निष्कासन का ये पत्र सोशल साइट एक्स पर लालू यादव की पोस्ट के हप्ता भर बाद सामने आया है - क्योंकि बिहार की राजनीति में सवाल उठाना जाने लगा था कि क्या तेज प्रताप यादव के खिलाफ एक्शन सिर्फ सोशल मीडिया पर हुआ है - और, क्या सोशल मीडिया पर जारी बयान भी आरजेडी के संविधान के हिसाब से मान्य हो नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के नेता तो शुरू से ही तेज प्रताप के खिलाफ एक्शन की दिखलावा करार दे रहे हैं, बीजेपी कोटे से बिहार सरकार में वंत्री नीरज सिंह बबलू ने भी तेज प्रताप के निष्कासन पर स्टेट्स अपडेटे पृष्ठ लिया था. तेज प्रताप यादव ने अपने 12 साल पुराने रिलेशनशिप की जानकारी 'लिखता हूं, मिटाता हूं' वाले अंदाज में तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की थी, और जब लोग रिएक्ट करने लगे,

✚ सुबह-सुबह गरमा - गरम जलेबी और पोहा खाने के बाद जैसे पेट गुंराया तो मास्टर जी सक्ते में आ गए, लगा महापण हो गया। बीस साल से नियमपूर्वक चल रहा एकादशी का व्रत अनजाने में टूट गया। स्कूल पहुंचे तो हाताश और निराशा में मन पढ़ाने में नहीं लगा, अंदर उपावास टूटने का अपराध बोध पसर गया। दो बच्चों को गुड़ी तनवा दी, तीन को घुटने के बल खड़ा किया और दो बच्चों के पिछवाड़े में छड़ी चला दी।

बीस साल का एकादशी के उपावास में मुप्त की जलेबी ने कबाड़ा कर दिया। हेड मास्टर को आते देख अनमने मन से पढ़ाने लगे, छड़ी उठाई मेज़ पर पटक़ी, श्याम पट को डस्टर से पीटा और कहने लगे - नियमपूर्वक उपावास करने की आदत डाली जाए तो खाये हुए भोजन का विकार दूर हो जाता है। स्वास्थ्य को बहुत लाभ होता है मन में शांति रहती है।

स्त्री की बौद्धिकता पर एक ख़ुफ़िया बहस

✚ समाज में जब किसी मुद्दे पर बहस बहुत तेज़ हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि वह बदलाव की पेशबंदी कर रहा है. इस समय सबसे ज्यादा तीखा विवाद मैरिट पर है, और संदर्भ पिछड़ी जातियों के आरक्षण का है. ज़ाहिर है कि सतह के ऊपर दिज़ बनाम शूद्र का द्वंद्व है, पर मैरिट का कम से कम एक आगम ऐसा भी है जिस पर की जा रही बहस का मुख्य रूप अफ़वाहबाजी का है, और उसकी प्रकृति फेंटेसीनुमा है. यह पहलू है स्त्री की मैरिट का.

सरगोशियों, लंतरानियों, शाम को होने वाली नशीली अड्डेबाजियों और गाँसिप कॉलमों के गुप्त मैदानों में होने वाला यह वाद-विवाद आजकल तय करने में लगा हुआ है कि स्त्री जो बोलती है, स्त्री जो लिखती है और समाज में अपने लिए बौद्धिक प्रगति के जो मौक़े संघर्ष करके हासिल करती है, क्या वास्तव में उसे उसका एकांत श्रेय दिया जाना चाहिए? हिंदी पब्लिक-स्पेसर के इस भूमिगत माहौल से अल्बर्ट मोराविया की एक कहानी याद आ जाती है. मोराविया की यह नायिका रचनाकार बना चाहती है. लेकिन, जब वह अपनी रचना लेकर एक वरिष्ठ साहित्यकार से मिलती है, तो किसी अंधेरी गली में खड़ी कार के भीतर खुफिया तौर पर बैठा वह पुराना पापी वैकल्पिक रचना लिख कर उसे थमा देता है, बदले में उसका सामिन्थ मांगता है. उस स्त्री के साथ ऐसा कई बार होता है. साहित्य का मूल्यांकन करने वाले पुरुष को लगता है कि या तो स्त्री की रचना में बहुत से संशोधन होने चाहिए या उसे फिर से

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में ह़िअ एलोपैथिक स्टैरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परेरी रिलीफ़ हे मिलता है और तकलीफ़ नहीं ह़ुटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ़ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम



तो बोल दिया कि अकाउंट हैक हो गया था. जो भी अच्छी बात ये रही कि उनका अकाउंट जल्दी ही रिस्टोर भी हो गया. ये सब 24 मई को हुआ था, और अगले ही दिन लालू यादव ने तेज प्रताप के खिलाफ एक्शन की सोशल मीडिया पर ही घोषणा कर दी - हप्ते भर बाद तेज प्रताप यादव का भी रिएक्शन आया है. हो सकता है, तेज प्रताप यादव पहले पक्का करना चाहते हों कि अकाउंट पर पूरा कंट्रोल उनका ही हो चुका हो. क्योंकि, फिर से हैक होता तो ज़्यादा दिक्कत हो सकती थी. या था. 1 जून को सुबह 5.27 पर तेज प्रताप सोशल साइट

एक्स पर लिखते हैं, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई हैं'.

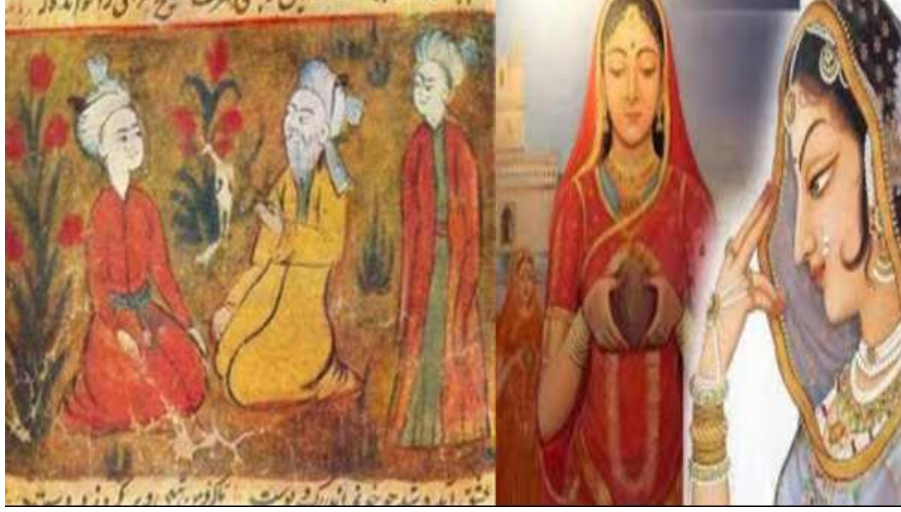
भगवान से बदकर है, आप और आपका दिया कोई भी आदेश आप हैं तो सब कुछ है मेरे पास मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और पापा आप नहीं होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालचवी लोग बस मम्मी-पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहें हमेशा ही प्रताप ने न तो माता पिता के अलावा अपने किसी भी भाई-बहन का कोई जिक्र नहीं किया. करीब आठ घंटे बाद

जलेबी की जलन

एकादशी का उपावास हमेशा करना चाहिए, एकादशी करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है कभी विष्णु जी प्रसन्न हो जाते हैं तो मुप्त में जलेबी पोहा खिलाकर परीक्षा ले लेते हैं परीक्षा में जो फेल हो जाता है उसका मन विचलित हो जाता है। घर की औरतों को विष्णु जी माफ करते रहते हैं घर की औरतें एकादशी व्रत में रोटी नहीं खाती, दूध मलाई, खीर, कलाकंद, पकौड़े आदि से पेट भरतीं हैं तब विष्णु जी को बुरा नहीं लगता। इसलिए उपावास बिना आहार के ही होना चाहिए और तभी उपावास का सही अर्थ होता है। अभी भी उपावास का मतलब किसी को समझ नहीं आया हो तो हाथ उठाओ.

मास्टर जी ये आस्था का मामला है जिसकी जिसमें आस्था। समझा देना उनको।अभी देखो न एक पार्टी वालों ने राजघाट पर कुछ घंटों के उपावास का आयोजन किया, कुछ लोग पेट भर छोले भटूरे खाकर राजघाट पहुंच गए, गांधी जी कुछ बोलते नहीं क्योंकि गांधी जी के उपावास का उपहास उड़ाने में नेता लोग सबसे आगे हैं। मीडिया उपावास का अब मजाक उड़ाते है लोग विश्वास नहीं करते कि गांधी जी आमरण अनशन वाला उपावास करते थे।

हम सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश बनने का भले नाटक करें पर हम बेहतर नहीं हैं। संसद चलने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है और सत्ता पक्ष संसद न चला पाने के दुख में उपावास और अनशन करने लगे, कुछ समझ नहीं आता। उपावास के पहले मुखिया ने फरमान जारी कर



लिख डालना चाहिए. और, इस सेवा के बदले उनका उस स्त्री पर स्वाभाविक हक़ बन जाता है. उस छोटी-सी कहानी का कलाइमेक्स बड़ा बीभत्स है; आत्महत्या की कगार पर पहुंच चुकी वह स्त्री अचानक तय करती है कि वह सिर्फ़ एक देह बन जाएगी. फिर वह स्त्री लिपिस्टिक लगाती है, और शहर की सड़कों पर संभवतः वरिष्ठ साहित्यकारों की खोज में निकल पड़ती है. ज़ाहिर है कि मोराविया का ज़माना बहुत पीछे छूट चुका है. स्त्री द्वारा रचा गया साहित्य और विमर्श-विमर्श सांस्कृतिक उत्पादन की प्रक्रिया को एक नए पायदान पर पहुंचा चुका है. स्त्री की रचना को किसी पुराने पापी की बदरंग चिप्पी नहीं चाहिए. यह कामयाब स्त्री वह नहीं है जो हर सफल पुरुष के पीछे खड़ी रहती है. सफल पुरुष और पृष्ठभूमि में खड़ी स्त्री का आत्मी संबंध कुछ ज़्यादा ही सुपरिभाषित

और सुनिश्चित किस्म का हो चुका है. चर्चा में कम आने वाली वह औरत या तो कामयाब मर्द की पत्नी है या फिर उसकी मां है. मां के रूप में या तो उसने पुरुष को ककहरा सिखाया है या फिर वह उसकी कुछ नैसर्गिक प्रवृत्तियों की जिम्मेदार है. पत्नी के रूप में वह उसकी पोशाक, कॉफी, लंच, डिज़र या दोस्तों की आवश्यकता का कौशलपूर्ण बंदोबस्त करने के साथ-साथ यौन-सुख की नियमित सप्लाई का स्रोत है. इसके बदले में वह मंडन मिश्र अपनी एक किताब उसे भेंट कर देता है, या अन्य पुस्तकों के आधार प्रदर्शन की आखिरी पंक्ति उसके लिए सुरक्षित कर दी जाती है. इस पंक्ति का पैटर्न भी तयशुदा है : 'और अंत में मैं भारती का शुक्रिया अदा किए बना नहीं रह सकता क्योंकि अगर वे मुझे धीरज और उत्साह न बंधातीं तो यह बौद्धिक परियोजना शायद अपने

दोपहर 1.30 बजे तेज प्रताप ने एक और पोस्ट लिखी है, जो छोटे भाई तेजस्वी यादव पर फोकस है - दोनों पोस्ट में एक बात कॉमन है, जयचंद का जिक्र. तेजस्वी यादव को लेकर तेज प्रताप ने लिखा है, 'मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नहीं हो सकोगे कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं. हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा बस मेरे भाई भरोसा रखना, मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा मेरे भाई, मम्मी-पापा का खयाल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी.' अब ये जयचंद का किस्सर कौन निभा रहा है? ये अभी नहीं मालूम. तेज प्रताप ने अपनी पोस्ट में बेनकाब करने की भी बात लिखी है, जिसके लिए अभी इंतज़ार करना होगा.इससे पहले तेज प्रताप ने दो राजनीतिक पोस्ट लिखी हैं, लेकिन उसके पहले तेजस्वी यादव के दूसरी बार पिता बनने पर ये कह कर खुशी

दिया कि उपावास के घंटों में सभी सांसद, मंत्री छोले भटूरे से दूरी बनाए रखें। जबरदस्ती सामूहिक उपावास कराने में बड़े ख़तरे हैं, उपावास का नाम बदनाम होता है। जीभ दगाबाजी करती है छुप-छुपके हाथ साफ़ कर ही देती है।

कमल - सर जी, गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका से उपावास की प्रेक्टिस कर ली थी, वे अन्याय का विरोध करने अकेले उपावास रखते थे उन्होंने उपावास को हथियार बना लिया था, पर वो एकादशी का उपावास नहीं रखते थे। गांधी जी नकली दांत लगाते थे इसलिए उनको उपावास रखने में सुविधा होती थी वे अकेले उपावास में बैठते थे आजकल के नेता अकेले उपावास करने में डरते हैं। गांधी जी दिखाने के लिए उपावास नहीं करते थे पर आजकल के नेता दिखाने और फोटो खिंचवाने के लिए उपावास का नाटक करते हैं।

जताई थी कि वो बड़े पापा बन गये हैं. तेज प्रताप का रिएक्शन आ जाने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं. लालू यादव के राजनीतिक विरोधी तेज प्रताप को निकम्मा और नकारा कहने के साथ ही अलग अलग आरोप भी लगा रहे हैं.

लेकिन, लालू परिवार या आरजेडी की तरफ से कोई बचाव में नहीं आया है. क्या तेज प्रताप की पोस्ट में माफ़ी का कोई भाव भी है? जैसे वो घर परिवार को छोड़ कर कहीं नहीं जाने वाले हैं, क्योंकि उनकी जिंदगी में दूसरा कोई उतना मायने नहीं रखता. क्या तेज प्रताप परिवार के किसी सदस्य की तरफ इशारा कर रहे हैं? जयचंद नाम लेकर वो किसकी तरफ इशारा कर रहे हैं? क्या तेज प्रताप सीधे सीधे कुछ न बोलकर तेजस्वी यादव को भी जयचंद के बहाने टांगट कर रहे हैं? तेज प्रताप पहले से ही खुद को कृष्ण और तेजस्वी यादव को अर्जुन बताते रहे हैं, लेकिन ये कह कर कि 'कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो,

दलित की बेटी

✚ सूरज रोज़ की तरह अपनी रोशनी से संसार को रोशन कर रहा है. दिन चढ़ते-चढ़ते सूरज की लालिमा में ठंडक, अब बुधन में बदलने लगी है. बस्ती के लोग रोज़ की तरह अपने दैनिक कामों में व्यस्त हो चले हैं. झुगियों की चिमनियाँ से धुआं निकल कर सुखे आसमान में बादल बना रहा है. ऐसा लगता है मानो यह धुआं सूरज को चुनौती दे रहा हो कि मैं तुम्हे ढक कर तुम्हारे ताप से बस्ती को मुक्ति दिलाऊँगा. धुँए के बादल क्षणिक ही सही, पर सूरज के ताप को कुछ देर तो अपने भीतर समा ही लेते हैं. जुम्पन चाचा रोज़ की तरह फटा कुर्ता-पायजामा पहन कर मजदूरी पर चल पड़े हैं. मजदूरी कभी मिलती है, कभी ऐसे ही शाम को खाली हाथ लौटना पड़ता है. कांख में एक छोटी सी पीटली में चाची ने दोपहर के लिए रोटी-प्याज और गुड़ बांध दिया है. साग-सब्जी कहाँ मय्यसर है. कभी साल-दो-साल में ब्याह-शदी है, सब्ज़ी-पूड़ी-मिठाई नसीब होती है. यहाँ बस्ती में सबका हाल जुम्पन चाचा जैसा है. तन ढांपने के लिए चिंथड़े हैं और खाने के लिए सूखी रोटी-प्याज और गुड़, पीने के पानी के नाम पर गटर का पानी है.

सिर्फ नाम के लिए नल हैं क्योंकि उनमें पानी महीने-दो महीने में एक-आध बार आता है, वो भी वक्त-बेवक्त. बिजली के खंभे एक सरकार ने चुनावी साल में लगवा दिए थे, फिर पिछली सरकार ने चुनावी साल में बिजली के बल्ब और एक-एक पंखा, बस्ती के हर घर में पहुंचा दिया. पर इन बल्बों की रोशनी और पंखे की हवा का इस्तेमाल, कभी बस्ती के लोग ढंग से नहीं कर पाए. क्योंकि चुनावी साल में बिजली ने नेताजी के साथ जो दौरा किया, फिर उसके बाद उसके दर्शन भी, नेताजी की तरह कभी नहीं हो पाए. एक पुराना बिजली का खंभा जरूर था जो किसी बूढ़े स्वतंत्रता सेनानी की तरह आज्ञाद भारत की यह



उपचार में श्वास निवाशन सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी एरस स्ट्रांग सिरप, खोखो इलायि, एलीगोज कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्ही टेम्बल बाजार रोड। महाजन मार्केट में स्थित योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टरस इस बीमारी

लेकिन खुद कृष्ण को नहीं'. आखिर तेज प्रताप क्या कहना चाह रहे हैं, क्या आगे का अपना रास्ता वो खुद तय करने का इशारा कर रहे हैं? लालू यादव की अब तक की राजनीति में ऐसे लोगों की लंबी फेहरिस्त है, जिनको आरजेडी नेता ने माफ़ किया है. हालांकि, माफ़ किये जाने की अलग अलग वजहें हो सकती हैं, और राजनीतिक वजह पारिवारिक रिश्तों से अलग होती है. ये ठीक है कि लालू यादव ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को माफ़ नहीं किया. ऐसी सूची में साधु यादव और कुछ रिश्तेदारों के भी नाम हो सकते हैं. नेताओं की तो अलग है लिस्ट है. और, सबसे ऊपर तो नीतीश कुमार का ही नाम आएगा. ऐसे नेताओं में शिवानंद तिवारी से लेकर जगदानंद सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं. नीतीश कुमार को लेकर लालू यादव जहर पीने से लेकर उनके पेट में दांत तक होने जैसी बातें कर चुके हैं - और एक दौर ऐसा भी रहा है, जब पूरा लालू परिवार उनका नाम पलटू कुमार रख दिया था.

दुर्दशा अपनी आँखों से देखता, पर आँसू न बहा सकता था. शाम होते ही इस खंभे पर बल्ब जल जाता और सूरज की पहली किरण के साथ ही, फिर बस्ती के लोगों की जिन्दगी में उजाला करने के लिए शाम की प्रतीक्षा करता. सरकारों ने इस बस्ती की ओर कभी ध्यान नहीं दिया. यह एक दलित बस्ती है जिसकी दुनिया, बाकी शहर से अलग थी. यहाँ आज्ञादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं का टोटा है. बस्ती की याद नेताओं की सिर्फ चुनाव में आती है जब बस्ती की हवा में उड़ने वाली वोटों की खुशबू, इन नेताओं को अपनी तरफ खींच लाती है. इन्हीं विचारों में खोई हुई कमली की तन्त्रा अचानक टूटी, उसने देखा कि माई चाय लेकर खड़ी है. 'ले कमली चा पी ले, आग तेरी जिंदगी का सबसे जरूरी दिन है. पुवकार कर माँ ने, कमली के सर पर हाथ फेरा, 'जल्दी से तैयार हो जा कमली, तुझे जाना भी तो है, वो लोग आते ही होंगे. 'ठीक है माई' कमली ने कहा. चाय पीती हुई कमली अतीत की धुंध में खो गयी. सुर्ज के यहाँ चौथी लड़की पैदा हुई तो घर में किसी को ज़्यादा खुशी नहीं हुई.

बेटी पैदा होने की खबर सुनकर सुर्ज का दिल बैठ गया. उसे भविष्य की चिंता सताने लगी. अम्मा ने सुर्ज के कंधे पर हाथ रखकर कहा, 'सुर्ज, क्रिस्मत फूटी हुई है तेरी तो, कैसी लुगई लायी है, चौथी भी लड़की जनी है या ने. यो तो अच्छा हुआ कि पहलकी तीन को राम जी ने अपने पास बुला लिया. नहीं तो तू बेचारा कहाँ से करता इतनी लड़कियों का'. कोई बात ना अम्मा, लड़की तो ठीक है ना? अब आ गई है तो -सुर्ज ने अनमने भाव से अम्मा से कहा.का ठीक है. इसे भी राम जी उठा ही लेता तो ठीक था स्थापा निपटारा. चल अब उठ अम्मा ने गुस्से में कहा. 'इसके ब्याह के खर्च के पंचें मेरी आँखों के सामने नाच रहे हैं.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं



मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बड़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने

जड़ की जरूरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल

चल रही कोरोना पाण्डेनिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक

अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेल्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी की कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंणगा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.

संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)



जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

उद्योगों को उपजाऊ जमीन देने का विरोध

वडसा:

गढ़चिरोली जिले में सरकार रोजगार और विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की जमीन जबरन पूंजीपतियों को दे रही है। ज़िंदल स्टील परियोजना के लिए वडसा तहसील के किसानों की जमीन अधिग्रहित नहीं की जानी चाहिए, अन्यथा स्थानीय भूस्वामी इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं करेंगे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने वडसा में उपविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें चेतावनी दी गई कि ज़िंदल स्टील परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहित नहीं की जानी चाहिए, अन्यथा स्थानीय भूस्वामी इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं करेंगे।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और अखिल भारतीय किसान सभा ने राज्य भर में स्थानीय मुद्दों को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके तहत विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व माकपा जिला सचिव कां. अमोल मारकवार, शेतकर कामगार

> मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का आंदोलन



पार्टी जिला सचिव भाई रामदास जराते, आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष राज बनसोड़ और रूपा सहारे ने किया।

वडसा तालुका में किसानों की उपजाऊ जमीन उद्योगों को न देकर वैकल्पिक सरकारी और वन विभाग की जमीन दी जाए, कोरची तालुका में झेंडेपार लौह परियोजना, जिसका स्थानीय ग्राम सभाएं कड़ा विरोध कर रही हैं, जिसको रद्द किया जाए, सिंचित जमीन पर खेती करने वालों

को पड़े दिए जाएं, भारी बारिश से प्रभावित किसानों को 50,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। संजय गांधी निराधार योजना और श्रवणबल योजना के लाभार्थियों की बकाया आर्थिक सहायता तुरंत जमा की जाए, संजय गांधी निराधार योजना की विधवाओं को लाडली बहन योजना का लाभ दिया जाए, 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी किसानों, खेत मजदूरों और श्रमिकों को 5,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाए, महाराष्ट्र

सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 को निरस्त किया जाए, रोजगार गारंटी के मजदूरों का वेतन तुरंत दिया जाए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, स्कूल रसोइया, रोजगार सेवक आदि को 26,000 रुपये मासिक वेतन तथा किसानों को 5,000 रुपये की दर से मासिक पेंशन दी जाए, किसानों की कृषि उपज का उत्पादन लागत का ढाई गुना गारंटी मूल्य देकर स्वामीनाथन आयोग को लागू किया जाए, हर बेघर व्यक्ति को

घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और जिनके पास जगह नहीं है उन्हें आबादी में जगह दी जाए, मजदूर मजदूरों को जमीन का पट्टा दिया जाए और जिनकी फसल हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है उन्हें एक एकड़ के हिसाब से 75 हजार रुपये मुआवजा दिया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत अनुदान दिया जाए, नियमित ऋण चुकाने वाले किसानों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाए, धान का बोसस तुरंत जमा किया जाए और किसानों की पूरी कर्जमाफी की जाए। इस मौके पर तहसील सचिव कामरेड राजू सातपुते, तहसील संयुक्त सचिव विठ्ठल प्रधान, वडसा तहसील प्रमुख देवचंद मेश्राम नंदूची बंदे, शेषराव वासेकर, प्रेमलाल बारसागड़े, श्यामराव बारस्कर देवराव तोरणकर, दिलीप कुकुड कर, विलास बारस्कर, हेमराज भोयर, रघुनाथ बारस्कर, देवराव उपरीकर, मोरेश्वर धुमाने खार मेश्राम, गंगाधर मोटधरे, राजू भोयर सहित सैकड़ों किसान इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

विसापुर में निर्माणाधीन एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक

> मुंबई की बैठक में विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं पर गहन चर्चा > 110वीं वर्षगांठ की योजना

चंद्रपुर.

पूर्व वन एवं सांस्कृतिक मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर जिले के विसापुर में बन रहे एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

इसके लिए मुम्बई स्थित एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में कुलपति डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विश्वविद्यालय के लिए आवश्यक धनराशि, बुनियादी सुविधाओं, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की आवश्यकताओं तथा शैक्षिक विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधायक सुधीर मुनगंटीवार का स्वागत स्वयं द्वारा



बनाए गए कलात्मक चित्र प्रेम से किया।

भारत रत्न धोंडो केशव कर्वे द्वारा 1905 में महिला आश्रम के रूप में रोपे गए महिला सशक्तिकरण के पौधे 1916 में एसएनडीटी के नाम से सामने आए और आज एसएनडीटी विश्वविद्यालय के रूप में एक बड़ा वटवृक्ष उभर कर सामने आया है। चूंकि एसएनडीटी विश्वविद्यालय 5 जुलाई 2025 को 110 वर्ष पूरे कर लेगा, इसलिए इस आयोजन की योजना पर भी चर्चा की गई।

बैठक में विधायक मुनगंटीवार ने कहा कि, "महिला शिक्षा, स्वावलंबन और रोजगार सृजन के उद्देश्य से बल्लारपुर में स्थापित 'महर्षि कर्वे महिला सशक्तिकरण ज्ञान परिसर' महिलाओं को सिर्फ नौकरी चाहने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बनाने का काम कर रहा है।" इस ज्ञान परिसर के माध्यम से महिला सशक्तिकरण प्राप्त किया जा रहा है, और एसएनडीटी विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया को अधिक व्यापक और प्रेरक दिशा देगा।

दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर के प्रयास सफल रहे

चंद्रपुर.

विदर्भ के विकास और विशेषकर चंद्रपुर जिले की प्रगति के लिए दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर के निरंतर प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में वर्धा-बल्लारशाह चौथी रेलवे लाइन को मंजूरी दी है, जो उनकी मुख्य मांग है। इससे इस क्षेत्र में यातायात की भीड़ कम होगी और विकास में तेजी आएगी।

दिवंगत सांसद बालूभाऊ धानोरकर ने अपने कार्यकाल के दौरान लगातार इस परियोजना की मांग की थी। इस मांग का मुख्य उद्देश्य दिल्ली-चेन्नई उच्च घनत्व कॉरिडोर पर दबाव कम करना तथा यात्रियों और

> वर्धा-बल्लारशाह चौथी रेलवे लाइन को मंजूरी



माल की आवाजाही में तेजी लाना था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 मई, 2025 को इस परियोजना को हरी झंडी दे दी, जो बालूभाऊ धानोरकर की दूरदर्शिता और अथक परिश्रम का परिणाम है।

यह बहुप्रतीक्षित चौथी रेलवे लाइन वर्धा से बल्लारशाह तक

134.52 किलोमीटर की दूरी जोड़ेगी। लगभग 3,399 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से कोयला, सीमेंट, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि उत्पादों और पेट्रोलियम उत्पादों का तेजी से परिवहन संभव होगा, जिससे विदर्भ में औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

इस परियोजना से वर्धा, चंद्रपुर और गढ़चिरोली जिलों के गांवों को लाभ होगा और रेल संपर्क बढ़ेगा। यह बालूभाऊ धानोरकर के कार्यों की एक बड़ी स्वीकृति है और इससे उनके विकास के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत कार्यान्वित की जा रही है, जो पूरे देश में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और एकीकृत योजना को बढ़ावा देगी। इस निर्णय का दिवंगत बालूभाऊ धानोरकर के मिशनों से निशान कंपार्टमेंट नंबर 319 से मुख्य कोर एरिया की ओर जाते देखा जाए।

ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में घुसे हाथियों पर ताड़ोबा प्रशासन की नजर

चंद्रपुर.



30 मई को गढ़चिरोली जिले से दो हाथी उमा नदी पार कर ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में स्थित कुकुडहेती गांव में घुस आए। इसके बाद वे कंपार्टमेंट नंबर 808, 270ए और 270बी से जंगल की ओर निकल गए। इसके बाद वे कुछ देर नलेश्वर झील के पास खेल्ते रहे। 30 तारीख की रात तक उनके पैरों के निशान कंपार्टमेंट नंबर 319 से मुख्य कोर एरिया की ओर जाते देखा जाए।

वन विभाग इंडीसी सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों को सतर्कता के बारे में जागरूक कर रहा है। इस काम में पीआरटी और इंडीसी की टीमें लगी हुई हैं। ग्रामीणों को सावधान रहने और जिम्मेदारी से व्यवहार करने की सलाह दी जा रही है। उनसे जंगल में अकेले घूमने से बचने और रात में घर से बाहर न सोने की अपील भी

की जा रही है। संपर्क में मौजूद अन्य वन क्षेत्रों के कर्मचारी, बचाव दल और एसटीपीएफ के जवान हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। इन टीमों को हाथियों को भगाने के लिए नाइट विजन डिवाइस (रात्रि दृष्टि), आईआर ड्रोन और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग के कर्मचारियों को ऊंचे स्थानों पर तैनात किया गया है।

सभी नागरिकों से अपील है कि वे अफवाहों से दूर रहें। साथ ही, अगर आपको कोई जानकारी है तो तुरंत नजदीकी वन विभाग कार्यालय से संपर्क करें।

बारिश रुकने के बाद घरकुल लाभार्थियों को रेत का वितरण > गोंडपिपरी तहसीलदार का खुलासा

चंद्रपुर.

'घरकुल लाभार्थियों के दिनभर रुकने और खाली हाथ लौटने' के मुद्दे पर गोंडपिपरी तहसीलदार ने स्पष्ट किया है कि पिछले तीन-चार दिनों से गोंडपिपरी तालुका में हर जगह भारी बारिश हो रही है। इस कारण स्वीकृत घरकुल लाभार्थियों को रेत वितरित करने में समस्या आ रही है। बारिश रुकने और सड़कें साफ होने के बाद स्वीकृत घरकुल लाभार्थियों को रेत का



वितरण तुरंत शुरू किया जाएगा, ऐसा गोंडपिपरी तहसीलदार शुभम बखकर ने स्पष्ट किया है।

हरीश शर्मा दोबारा भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त

> बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को जिला अध्यक्ष पद का गौरव

चंद्रपुर. एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों पर काम करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के चंद्रपुर जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष पद पर नियुक्तियों की घोषणा हाल ही में की गई। इस चयन के तहत हरीश शर्मा को पुनः जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

दिलचस्प बात यह है कि एक बार फिर बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र को जिला अध्यक्ष पद का गौरव प्राप्त हुआ है। हरीश शर्मा के नेतृत्व में



पार्टी संगठन ने पहले भी दमदार प्रदर्शन किया है और उनकी कार्यकुशलता, सांगठनिक कौशल और व्यापक जनसंपर्क को देखते हुए उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी दी गई है।

इस पुनर्नियुक्ति पर उन्हें बधाई देते हुए पूर्व वन एवं सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि, हरीश शर्मा के सक्षम नेतृत्व से पार्टी संगठन मजबूत होगा और पार्टी के विचार अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचेंगे ऐसा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया।

चंद्रपुर में भी भूमिगत खदान पर्यटन शुरू किया जाएगा : विधायक किशोर जोरगेवार

चंद्रपुर.

नागपुर के सावनेर में भूमिगत कोयला खदान पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। इसी तर्ज पर विधायक किशोर जोरगेवार ने चंद्रपुर में बंद पड़ी महाकाली कोलियरी भूमिगत खदान को पर्यटन के लिए खोलने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर पहल की है। यह बैठक नागपुर के सावनेर रेस्ट हाउस में वेकोलि प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई।

इस अवसर पर चंद्रपुर वेकोलि क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक दातार, चंद्रपुर वेकोलि प्रबंधक विनोद शेंडे, संजय रेड्डी, सावनेर उपक्षेत्रीय प्रबंधक सोहन डेहरिया, सावनेर उपक्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक पी. सुभाष, इकोपार्क के प्रबंधक रूपराव महाजन, इंजीनियर पटका बनर्जी, राकेश निखारिया सहित भारतीय जनता पार्टी के दशरथ सिंह ठाकुर, भाजपा नेता प्रकाश देवतले, अजय जयसवाल, तुषार सोम, नामदेव शामिल थे. दाहले, पूर्व नगर सेवक सुभाष कासनगुडवार, प्रदीप किरोरे, रवि गुन्नुले, अमोल शेंडे, राकेश पिंपलकर, संजय तिवारी,



नकुल वासमावर, करण नायर, कार्तिक बोरेवार और अन्य उपस्थित थे। इस बैठक में विधायक किशोर जोरगेवार ने नागपुर के सावनेर में भूमिगत खनन पर्यटन परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक में इस बात पर गहराई से विचार किया गया कि खदान तक पर्यटकों को पहुंचने के दौरान क्या सुविधाएं दी गईं, सुरक्षा के क्या उपाय किए गए हैं तथा इस पहल का स्थानीय स्तर पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

बैठक के बाद विधायक जोरगेवार खदान पर गए और

खनन पर्यटन का अनुभव लिया। उन्होंने खदान में स्थापित मार्गदर्शन सुविधाओं, पर्यटकों के लिए लगाए गए सूचना बोर्डों, प्रकाश योजना और गाइड सेवाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महाकाली कोलियरी भूमिगत खदान को पर्यटन के लिए खोलने का प्रस्ताव तैयार कर जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। उन्होंने पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देते हुए परियोजना के क्रियान्वयन हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक जोरगेवार ने कहा, "हम चंद्रपुर जिले

में पर्यटन को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। महाकाली कोलियरी जैसी परियोजनाओं से न केवल चंद्रपुर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यहां के नागरिकों के लिए रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। हम जल्द ही महाराष्ट्र और केंद्रीय पर्यटन मंत्री के समक्ष इस परियोजना का प्रस्ताव रखेंगे और इस पहल के लिए मंजूरी दिलाने का प्रयास करेंगे।"

इको पार्क का निरीक्षण : इस अवसर पर विधायक जोरगेवार ने सावनेर इको पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इको पार्क में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने इको पार्क के हरित क्षेत्र, साइकिल ट्रैक और प्राकृतिक सौंदर्य की प्रशंसा करते हुए चंद्रपुर जिले के पर्यटन स्थलों पर भी ऐसी पहल लागू करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने इको पार्क के प्रबंधन, रखरखाव और साफ-सफाई का भी बारीकी से निरीक्षण किया।



TADOBA NATIONAL PARK

EXPERIENCE THE THRILL of Jungle



Duration:
1N/2D in Tadoba

Meal Plan-
All meals (Breakfast, Lunch
Dinner Hi Tea)

Including- Gypsy 1 Round
(Pick up drop Resort to Resort)
Gypsy Subject to Availability

8308378686 | 77220 24512 | domestic@btpyatra.com

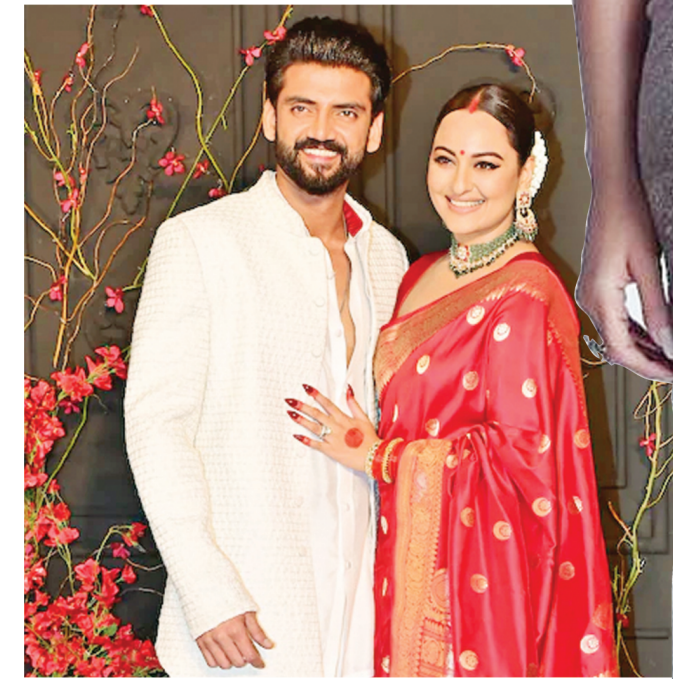
www.btpyatra.com

T & C apply

CMYK

सोनाक्षी के निकनेम का शत्रुघ्न सिन्हा से खास कनेक्शन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा फिल्मों बैकग्राउंड से हैं और उनके पिता शत्रुघ्नसिन्हा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम रहे हैं. अभी भी शत्रुघ्नसिन्हा के डायलॉग फैंस काफी पसंद करते हैं. एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं. इस खास मौके पर एक्ट्रेस को हर तरफ से बधाइयां मिल रही हैं. वैसे तो प्यार से फैंस अपनी फेवरेट एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को सोना कहकर बुलाते हैं. लेकिन क्या सोना का असली निक नेम सोना ही है? जवाब है नहीं. सोनाक्षी को उनके फैंस प्यार से सोना कहते हैं लेकिन उनके घर का निकनेम कुछ और ही है. वैसे तो सोनाक्षी के फैंस कई सारे हैं जो उनकी एक्टिंग और खूबसूरती पर फिदा हैं. लेकिन शायद ही वो फैंस भी सोनाक्षी के घर का नाम जानते हैं. बहुत लोगों को इस बात का भ्रम हो सकता है कि सोनाक्षी सिन्हा के घर का नाम सोना है. क्योंकि ये उनके इंस्टाग्राम हैंडल पर भी ऐड है. लेकिन सच तो ये है कि सोनाक्षी के घर का नाम सोना नहीं बल्कि शॉटगन जूनियर है. इसके पीछे की वजह कोई और नहीं बल्कि खुद उनके पिता शत्रुघ्नसिन्हा हैं. दरअसल शत्रुघ्न सिन्हा को ही उनके समय में मीडिया और फैंस द्वारा शॉटगन के नाम से जाना जाता था. उन्हीं के नाम पर सोनाक्षी का नाम शॉटगन जूनियर पड़ गया. सोनाक्षी के करियर की शुरुआत सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दबंग से हुई थी. लेकिन एक्ट्रेस को अपने करियर में काफी उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा. अपने 15 साल के करियर में वे कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं जिसने अच्छी कमाई भी की है वहीं उनकी कई फिल्मों ऐसी रही हैं जो अच्छा कलेक्शन कर पाने में नाकाम रही हैं. दबंग के बाद उन्होंने राउडी राठौर, दबंग 2, सन ऑफ सरदार, लुटेरा, बुलेट राजा और आर राजकुमार जैसी फिल्मों की. इसके अलावा उन्होंने कलंक, तेवर, दबंग 3 और मिशन मंगल जैसी फिल्मों में भी काम किया.



'हीरामंडी' फेम शर्मिन सहगल बनीं मां

हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल मां बन गई हैं. संजय लीला भंसाली की भतीजी और एक्ट्रेस शर्मिन ने 28 मई को एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है. इस खुशखबरी के सामने आते ही सोशल मीडिया पर उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं, आम से लेकर खास तक हर कोई उन्हें बेटे के जन्म की शुभकामनाएं दे रहे हैं. हालांकि शर्मिन सहगल ने ना तो अपनी प्रेनेंसी का कोई ऐलान किया था, और ना ही अभी तक बेटे के जन्म को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट किया है, लेकिन जर्नलिस्ट विक्की लालवानी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में इस खबर की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि 28 मई को शर्मिन ने बेटे को जन्म दिया है. बताया जा रहा है, कि प्रेनेंसी के आखिरी पेज में शर्मिन अहमदाबाद से मुंबई शिफ्ट हो गई थीं, ताकि यहीं पर डिलीवरी हो सके. शर्मिन सहगल ने नवंबर 2023 में इटली में एक प्राइवेट सरेमनी में अमन मेहता से शादी की थी. अमन टोरेंट फार्मा के एंजीनियरिंग डायरेक्टर हैं. शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए शर्मिन ने लिखा था कि, जब आप जिंदगी के एक खास मोड़ से गुजरते हैं, तो कभी-कभी तस्वीरें और शब्द उस एहसास को कैद नहीं कर पाते वकं प्रेंट की बात करें, तो शर्मिन को हाल ही में नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में देखा गया था, जिसे संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया था.

बाॅबी देओल के गाने पर मल्लिका शेरावत का धमाका



बॉलीवुड की ऐसी कई एक्ट्रेस हैं, जो फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहती हैं. फिटनेस देखकर उम्र का अंदाजा लगाना ही बेहद मुश्किल हैं. हालांकि, इसी के चलते वो लगातार फिल्मों में भी नजर आ रही हैं. हाल ही में मल्लिका शेरावत का नया वीडियो चर्चा में बना हुआ है. जिसमें वो बाॅबी देओल के गाने में फिट बाॅडी प्लान्ट करती नजर आ रही हैं. मल्लिका शेरावत की फिटनेस का कोई जवाब नहीं है. हाल ही में उन्होंने अपनी बिकिनी बाॅडी प्लान्ट की, तो लोग हैरान रह गए. क्वाइट शॉर्ट्स और ब्लैक बिकिनी आउटफिट में उन्होंने नई रील शेयर की है. जिस पर उन्हें भर-भरकर प्यार मिल रहा है. दरअसल 48 साल की ये एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा कि- उनकी बाॅडी आज भी

टोन्ड, स्टॉन और फिट है. खास बात यह है कि इस वीडियो को 1 दिन में 28.7 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं. यानी उनकी पिछली 8-9 वीडियो को भी इतनी बार नहीं देखा गया है. हालांकि, इस फिटनेस के लिए एक्ट्रेस जिम में घंटों पसीना बहाती है. वकंआउट के साथ ही खाने-पीने का काफी ध्यान रखती हैं. लोग वीडियो पर कमेंट कर लिख रहे हैं कि- शब्द ही कम पड़ गए हैं. जिस गाने में मल्लिका शेरावत ने वीडियो बनाया है, वो बाॅबी देओल का गाना है. साल 2023 में उनकी फिल्म एनिमल आई थी. जिसमें एक्टर ने अबराय यानी खूंखार विलेन का रोल किया था. इसी फिल्म में सिर पर गिलास लिए थिरकते नजर आए थे. हालांकि, लोगों का कहना है कि- बाॅबी भाई आपके गाने में तो मैडम ने बाजी मार ली है.

रिलीज से पहले ही कमाई में धमाका अक्षय की हाउसफुल 5

अक्षय कुमार की आने वाली हर फिल्म, उनके लिए बड़ी उम्मीद है. जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर गई, तो उनकी बल्ले-बल्ले हो जाएगी. यूं तो इस साल उनकी दो फिल्में आ चुकी हैं. पर वैसे जादू नहीं चला पाई, जैसा वो चाहते थे.



‘स्काईफोर्स’ की शुरुआत अच्छी रही थी, पर बाद में मामला बिगड़ गया. ‘केसरी चैटर 2’ अच्छी फिल्म थी, पर वैसे रिसाॅन्स मिला ही नहीं. पर साजिद ने दो क्लाइमैक्स वाले दो वर्जन लाने का ऐलान किया है.

हाउसफुल 5 अक्षय कुमार की किस्मत बदल सकती है. फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है. जिसे अब तक सही रिसाॅन्स मिला रहा है. क्या हाउसफुल 5 अक्षय कुमार के लिए वो फिल्म साबित हो पाएगी, जो वो चाहते

हैं. दरअसल यह फिल्म 6 जून को आ रही है, ऐसे में अब तक सही कमाई हो चुकी है. जो लगातार बढ़ भी रही है. साथ ही 6 जून की सुबह टिकट खिड़की पर भी फायदा होने की उम्मीद है. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक

कितने करोड़ छाप लिए हैं. ट्रेक वेबसाइट सैकनलिक के मुताबिक ‘हाउसफुल 5’ की अब तक करीब 25 हजार टिकटें बिकी चुकी हैं. जिसने अब तक 90 लाख रुपये का कलेक्शन किया है. अब तक टोटल 7,598 शोज कंफर्म हो चुके हैं. दरअसल यह बिना ब्लॉक सीट्स के हैं. ब्लॉक सीट के साथ ही फिल्म ने पहले दिन के लिए 3.88 करोड़ का कारोबार कर लिया है. वहीं अगर स्टेट वाइज देखा जाए, तो दिल्ली से 88.81 लाख का कारोबार हो चुका है. दरअसल सिनेमा थिएटर के ओनर का कहना है कि फिल्म पहले दिन 25-30 करोड़ का कारोबार कर सकती है. हालांकि, जिस तरह से एडवांस बुकिंग चल रही है, यह बढ़ भी सकती है. लेकिन अगर यह फिल्म 30 करोड़ का फर्स्ट डे पर आंकड़ा पार कर लेती है, तो अक्षय कुमार की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म बन जाएगी.

सुनील शेट्टी के प्रेगनेंसी वाले बयान पर भड़कीं गौहर खान

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपने एक्टिंग से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली गौहर खान ने हाल ही में अपना पॉडकास्ट लॉन्च किया है. इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें भी हैं. साथ ही एक्टर सुनील शेट्टी के बयान पर बात करते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है. दरअसल, हाल ही में एक्टर से उनकी बेटी के बारे में बात की गई, जिसमें उन्होंने अधिया की डिलीवरी के बारे में बात करते हुए सी-सेक्शन को आसान बताया है. कुछ वक्त पहले ही गौहर ने अपने पति जेद दरबार के साथ अपने दूसरे बच्चे की आने की खुशी लोगों के साथ साझा की थी. इस दौरान गौहर ने अपनी पहली प्रेनेंसी के बारे में बात की. वहीं एक्ट्रेस ने सुनील शेट्टी के कमेंट पर भी अपना रिएक्शन शेयर किया है. एक्टर ने अपनी बेटी अधिया के बारे में बात करते हुए कहा, अधिया ने सी-सेक्शन का कंफर्ट नहीं चुना, इसके बजाय, उन्होंने नॉर्मल डिलीवरी का ऑप्शन चुना.” इस पर



ने कहा कि कोई ऐसा कैसे कह सकता है. गौहर ने इस बारे में बात करते सुनील शेट्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा, हाल ही में एक बड़े सेलिब्रिटी ने कहा था कि सी-सेक्शन एक आसान ऑप्शन है. मेरा मतलब है, क्या? मैं चिल्लाना चाहती हूँ और पृष्ठना चाहती हूँ 'आप ऐसा कैसे कह सकते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि सी-सेक्शन को लेकर कई सारे झूठ फैले हैं, जिनमें से एक ये है कि ये आसान ऑप्शन है.

आइकॉनिक पार्टी में माधुरी के साॅन्ग पर मचा डांस तूफान

कोई फंक्शन, इवेंट या फिर शादी का माहौल हो और डांस न हो, तो सब अधूरा लगता है. खासकर तब जब शादी के पहले दूल्हा और उसके यार बैचलर पार्टी में धमाल मनाएं, तो मजा ही कुछ और होता है. ऐसा ही कुछ इन दिनों सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है, जिसमें दूल्हे के दोस्तों ने माधुरी दीक्षित के आइकॉनिक गाने 'धक धक करने लगा' पर जबरदस्त डांस परफॉर्मिस दी है. उनका यह वीडियो इंटरनेट पर गर्दा उड़ा रहा है, उनके मूव्स देखकर तो खुद माधुरी दीक्षित भी एक बार को हैरान रह जाएंगी. वीडियो पर एक यूजर ने लिखा, 'ये तो ग्रुप डांस की परिभाषा बदल देंगे.' दूसरे ने मजाकिया अंदाज में लिखा- 'भाई, लड़कियां भी इतना अच्छा नहीं कर पाती.' एक ने कहा कि, 'ऐसे दोस्त किस्मत वालों को मिलते हैं.' इस परफॉर्मिस ने यह साबित कर दिया कि डांस और मस्ती में लड़कों का भी कोई जवाब नहीं है.



सैयारा के टीजर की तारीफ पर भावुक हुए मोहित सूरि

यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित और मोहित सूरि द्वारा निर्देशित 'सैयारा' का टीजर कल जारी होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुका है। फिल्म की झलक, टाइटल ट्रैक की भावुक प्रस्तुति और नवोदित जोड़ी की केमिस्ट्री को लेकर हर ओर से प्रशंसा हो रही है। सैयारा में अहान पांडे को एक पारंपरिक हीरो के रूप में और अनीत पट्टा को नई वाइआरएफ हीरोइन के तौर पर लॉन्च किया जा रहा है। दोनों की सख्त परफॉर्मिस और शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। मोहित सूरि, जिनकी पहचान रोमांटिक फिल्मों से है, कहते हैं: आप कई तरह की कहानियाँ कह सकते हैं और लोगों को भावनात्मक यात्राओं पर ले जा सकते हैं, लेकिन रोमांस एक खास जॉनर है। 'सैयारा' मेरी उन प्रेम कहानियों को समर्पित है जिन्हें मैं खुद बेहद पसंद करता हूँ, जिनसे मेरा जीवन कभी न कभी टकराया है। मैंने कई लोगों की असाधारण प्रेम



कहानिया सुनी हैं, जो मेरे लिए प्रेरणा बनीं। वे आगे कहते हैं 'सैयारा' के टीजर को मिली एकमत प्रतिक्रिया देखकर दिल खुश हो गया। मैं अहान और अनीत के लिए बहुत उत्साहित हूँ क्योंकि उन्होंने अपने अभिनय से लोगों से तुरंत जुड़ाव बना लिया। यह पल मैं अपनी टीम और वाइआरएफ के साथ साझा करना चाहता हूँ। आशा है कि जैसे-जैसे हम फिल्म की मार्केटिंग में इसकी अलग-अलग परतें खोलते जाएंगे, लोग उससे उतना ही जुड़ते जाएंगे। वाइआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी, जो इस फिल्म के निर्माता भी हैं, वे कहते हैं: रोमांस यशराज फिल्म्स की पहचान रहा है। 'सैयारा' के माध्यम से हम प्रेम के उस पक्ष को एक्सप्लोर कर रहे हैं जो गहवाई से भावुक, पर साथ ही उत्साहवर्धक भी है। दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना हमारे लिए बेहद जरूरी था. खासकर तब जब हम रोमांटिक शैली में वापसी कर रहे हैं।



गोविंदा की पत्नी का परिवार पर तीखा बयान

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर गोविंदा अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले कुछ महीनों से खबर आ रही थी कि वो अपनी पत्नी सुनीता को तलाक देने जा रहे हैं लेकिन सुनीता ने कहा कि उन्हें कोई भी अलग नहीं कर सकता अब सुनीता आहूजा का एक और बयान सामने आया है, जिसमें वो कॉन्ट्रोवर्शियल बयान देती नजर आ रही हैं।

इस वीडियो में गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के बारे में बात कर रही हैं और कह रही हैं कि- 'ये सब फालतू की बातें हैं, ये कोई उम्र नहीं है अफेयर करने की, गोविंदा 62 साल के हैं। इसका नाना बनने का उम्र है। टीना की शादी करनी है, यश का देहना है। ये सब उम्र नहीं होता ये सब करने का उन्होंने आगे कहा- 'जवानी में हर चीज सूट करता है। एक उम्र होता है. जब हमें अपने बच्चों का, बच्चों के करियर के बारे में ज्यादा सोचना चाहिए। अफवाह उड़ी है. मैंने भी सुनी ये बात। जब तक मुझे कोई सबूत नहीं मिलता, तब तक मैं नहीं मानूंगी. आगे सुनीता आहूजा ने बताया कि गोविंदा को लेकर ये अफवाह किसने उड़ाई. उन्होंने कहा- 'इसके आसपास इतने हराही लोग हैं। आप दुश्मन ना बाहर दूँदते हो, हमारे परिवार में ना घर में ही दुश्मन है। घर परिवार के लोग इतने कर्मीने होते है ना खुद के तो बीबी-बच्चे मर जाते हैं या खुद के बीबी-बच्चे लाइफ में कुछ नहीं करते। फिर वो लोग यही सोचने लग जाते हैं कि मेरे भाई का जिंदगी क्यों इतना अच्छा है। ये अपनी बीबी का इतना क्यों सुनता है? ये अपने बच्चों को क्यों इतना प्यार करता है? लेकिन ऐसे लोग ये नहीं सोचते कि ऊपर भावान भी है। ये कर्मा है. इनको जब पलटकर आएगा ना तुम्हारा ये हाल होगा कि जब तुम मरोगे ना तुम्हारे मुंह में पानी डालने वाला कोई नहीं होगा। आगे सुनीता ने कहा- 'तुम अगर एक अच्छे इंसान का घर बर्बाद करते हो तो ये गलत बात है। अगर ऐसी अफवाह उड़ी है तो परिवार के लोगों को ये समझना चाहिए कि ये गलत है।

हेनरी क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

लीग क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे

केप टाउन. साउथ अफ्रीका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरी क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले ली है. उन्होंने साउथ अफ्रीका की ओर से 4 टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20I मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने टीम के लिए कई मैच जिताऊ पारी खेली है, लेकिन अब वो कभी अपनी देश की जर्सी में नहीं दिखेंगे. हालांकि वो लीग मैचों में खेलते हुए नजर आएंगे. आईपीएल में हेनरी क्लासेन सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हैं. रिटायरमेंट के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट भी लिखा है.

हेनरी क्लासेन ने अपनी रिटायरमेंट की जानकारी इंस्टाग्राम पर दी. उन्होंने इसमें लिखा, “ये मेरे लिए दुःख दिन है, क्योंकि मैंने अब इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने का फैसला किया है. मुझे ये तय करने में बहुत समय लगा कि मेरे और



मेरे परिवार के लिए प्यूर में सबसे अच्छा क्या रहेगा. सच में ये काफी कठिन फैसला था, लेकिन मैं अपने करियर से पूरी तरह से संतुष्ट हूँ”. उन्होंने आगे लिखा कि देश के लिए खेलना काफी सम्मान की बात होती

है. मैंने बचपन से साउथ अफ्रीका से खेलने का सपना देखा था जो पूरा हुआ.

इन लोगों को बोला थाैंक्स

साउथ अफ्रीका के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे

लिखा, ‘मैंने बेहतरीन दोस्ती और रिश्ते बनाए हैं जिन्हें मैं पूरी लाइफ सजों कर रखूंगा. देश के लिए खेलने के दौरान मुझे महान लोगों से मिलने का मौका मिला, जिन्होंने मेरी जिंदगी बदल दी और उन लोगों को मैं

जितना भी धन्यवाद कहूं कम है’. उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका से खेलने के दौरान कुछ ऐसे कोच मुझे मिले जिनका मुझ पर काफी विश्वास था, मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा. अपने सीने पर प्रोटियाज बैज के साथ खेलना मेरे करियर का सबसे बड़ा सम्मान था और रहेगा. मैं अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए उत्साहित हूँ, क्योंकि यह फैसला मुझे ऐसा करने का मौका देगा. मेरा समर्थन करने के लिए सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद.

टी20I वर्ल्ड कप के फाइनल में खेली थी शानदार पारी

33 साल के इस बल्लेबाज ने पिछले साल टी20I वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार बल्लेबाजी की थी. टीम इंडिया के खिलाफ उन्होंने इस मैच में 27 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए थे. जब तक वो क्रीज पर थे, तब तक साउथ अफ्रीका की जीत की उम्मीद थी, लेकिन जैसे ही वो आउट हुए उसके बाद पूरी टीम बिखर गई और टीम इंडिया ने 6 रनों से इस मैच को जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया.

श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 2 मुकाबले में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शानदार टक्कर देखने को मिली. लेकिन इस मैच के बाद दोनों टीमों के कप्तानों पर कार्रवाई की गई है. पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को आईपीएल के आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जिसके चलते उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है. इस मैच में पंजाब ने मुंबई को 5 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई.

अय्यर-पंड्या के खिलाफ बीसीसीआई का बड़ा एक्शन श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर यह कार्रवाई स्को ओवर रेट के कारण की गई. आईपीएल के नियमों के अनुसार, टीमों को तय समय में अपने ओवर पूरे करने होते हैं, और ऐसा न करने पर सजा का प्रावधान है. पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी, जो शहर के नियमों का उल्लंघन था. इसके साथ ही, पंजाब किंग्स के प्लेइंग इलेवन के सभी सदस्यों, जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल है, उन पर 6 लाख रुपये (या उनकी मैच फीस का 25% जो भी कम हो) का



जुर्माना लगाया गया. मुंबई इंडियंस के लिए यह सीजन का तीसरा ओवर रेट उल्लंघन था. इससे पहले, गुजरात टाइटंस के खिलाफ दोनों मैचों में भी मुंबई को स्को ओवर रेट के लिए दंडित किया गया था. हार्दिक पंड्या पर भी भारी जुर्माना लगाया गया है. मुंबई इंडियंस के कप्तान पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है.

किंग्स ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203/6 का स्कोर खड़ा किया. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने 44-44 रनों की शानदार पारियां खेलीं, लेकिन पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में नाबाद 87 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई. पंजाब ने यह टारगेट 19 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया, और इस जीत के साथ वे 11 साल बाद फाइनल में पहुंच गईं. अब वह 3 जून को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ फाइनल खेलेंगे.

इस रोमांचक मुकाबले में पंजाब

बेंगलुरु में कोहली के पब वन8 कम्प्यून पर फिर केस दर्ज

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इस समय आईपीएल में धूम मचा रहे हैं. उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2025 के फाइनल में भी पहुंच गई है. अब वह खिताब से सिर्फ 1 कदम दूर हैं. इसी बीच उनको बड़ा झटका लगा है. बेंगलुरु में कोहली के पब, वन8 कम्प्यून को एक बार फिर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है.

इस बार पब के खिलाफ सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) 2003 के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह पब बेंगलुरु के रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर स्थित है, जो एम. चित्रास्वामी

स्टेडियम के करीब कस्तूरबा रोड पर है.

पुलिस ने विराट के पब पर की एफआईआर : पुलिस को शिकायत मिली थी कि वन8 कम्प्यून पब में धूम्रपान क्षेत्र के नियमों का उल्लंघन हो रहा है. इसके बाद, 1 जून 2025 को कब्जान पार्क पुलिस स्टेशन ने पब के प्रबंधक के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की. जांच के दौरान यह पाया गया कि पब में धूम्रपान क्षेत्र को लेकर जरूरी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था, जो सीओटीपीए अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है. इस अधिनियम के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान के



लिए सख्त नियम निर्धारित किये गए हैं, और इनका पालन न करना कानूनी

अपराध माना जाता है. यह पहली बार नहीं है जब वन8 कम्प्यून पब कानूनी विवादों में फंसा है. इससे पहले जुलाई 2024 में भी बेंगलुरु पुलिस ने इस पब के खिलाफ कार्रवाई की थी. उस समय पब को रात 1 बजे के बाद भी खुला रखने और ग्राहकों को सर्व करने के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी, जो शहर के नियमों का उल्लंघन था. इसके अलावा, दिसंबर 2024 में ग्रेटर बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने पब को अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया था. बीबीएमपी ने आरोप लगाया था कि पब के पास अग्नि विभाग से जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी)

नहीं था, और इसे सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया था. बता दें, वन8 कम्प्यून, विराट कोहली का एक मशहूर रेस्तरां और पब चेन है, जिसकी शाखाएं दिल्ली, मुंबई, पुणे, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों में हैं.

आईपीएल में जमकर चल रहा बल्लरा : विराट कोहली का ध्यान फिलहाल आईपीएल पर है. वह अपनी आईपीएल ट्रांफी का सूझा खम्ब करने से सिर्फ 1 कदम दूर हैं. बतौर बल्लेबाज विराट के लिए ये सीजन अभी तक काफी शानदार भी रहा है. वह 14 मैचों में 55.81 की औसत से 614 रन बना चुके हैं. जिसमें 8 अर्धशतक शामिल हैं.

यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.07 करोड़ में खरीद



नई दिल्ली. यूपी योद्धा ने प्रो कबड्डी लीग 12 के लिए अपनी टीम को और जमबूत बनाने के लिए ऑक्शन में कई दिग्गजों को शामिल किया। यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.073 करोड़ रुपये और महेंद्र सिंह को 20 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा उन्होंने ईरान के मोहम्मदरेजा कबूद्दहंगी सहित कई अन्य खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। योद्धा ने नीलामी से पहले 12 खिलाड़ियों को रिटैन किया था। नीलामी के पहले दिन यूपी योद्धा ने गुमान सिंह को 1.0725 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि फाइनल बिड मैच (एफबीएम) के माध्यम से महेंद्र सिंह को 20 लाख रुपये में जोड़कर डिफेंस को भी मजबूत किया। दूसरे दिन यूपी योद्धा ने मोहम्मदरेजा कबूद्दहंगी के लिए अपने एफबीएम का उपयोग किया, और 20 लाख रुपये में एक और सीज़न के लिए उन्हें टीम में शामिल किया। ईरान के डिफेंडर ने 23 पॉकेटल मैचों में 28 अंक हासिल किए हैं। इसके अलावा यूपी योद्धा ने कोरियाई रेडर डॉंग जियोन ली (13.50 लाख रुपये), रोनक (9 लाख रुपये) और प्रणय विनय राणे (13 लाख रुपये) को भी टीम में जोड़ा। ये नए खिलाड़ी सुमित,

भवानी राजपूत, साहुल कुमार, सुंदर गिल और आशु सिंह सहित रिटैन किए गए खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे, जिन्हें एलीट रिटैन प्लेयर्स सूची में रखा गया था।

पॉकेटल 12 के लिए यूपी योद्धा की टीम

गुमान सिंह, मोहम्मदरेजा कबूद्दहंगी, महेंद्र सिंह, डॉंग जियोन ली, सुमित, आशु सिंह, भवानी राजपूत, साहुल कुमार, सुंदर गिल, हितेश, गमना गौड़ा एचआर, शिवम चौधरी, जयेश विकास महाजन, गंगाराम, सचिन, केशव कुमार, जतिन, रौनक, प्रणय विनय राणे।

प्रो कबड्डी में यूपी योद्धा प्रो कबड्डी लीग के पांचवें सीजन में शामिल हुई। यूपी योद्धा ने अपनी शुरुआत से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी मजबूत रणनीति, शानदार रेडर्स और डिफेंडर्स के साथ प्रशंसकों के बीच एक अलग पहचान बनाई है। योद्धा ने 2017 में चार नई टीमों (गुजरात जायंट्स, हरियाणा स्टील्स और तमिल थलाइवास) के साथ पॉकेटल में डेब्यू किया। तब से यह टीम अपनी निरंतरता और आक्रामक खेल शैली के लिए जानी जाती है।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 भारत ने जीते 24 पदक, चीन के बाद दूसरा स्थान

सीओल. साउथ कोरिया के गुमी में खेली गई 26वीं एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इस बार भारत ने काफी शानदार प्रदर्शन किया है. इस चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने कुल 24 पदक जीते हैं, जो उसका 2017 के बाद का बेस्ट प्रदर्शन है. भारतीय खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में 8 गोल्ड, 10 सिल्वर और 6 ब्रांज मेडल अपने नाम किए. इसकी मदद से भारत पॉइंट्स टेबल में चीन के बाद दूसरे नंबर पर रहा. चीन 19 गोल्ड मेडल के साथ टॉप पर रहा. इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए. इससे भारत की ओलंपिक में ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ गई हैं. भारत की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है.

प्रधानमंत्री ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी. उन्होंने



सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, “हाल ही में साउथ कोरिया में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर भारत की गर्व है. पूरे चैंपियनशिप में हर एथलीट की कड़ी मेहनत साफ दिखाई दी. एथलीटों को उनके प्यूर कर शुककामनाएं”.

कैसा रहा भारत का प्रदर्शन?

गुमी में एक जून को समाप्त हुए एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने ट्रैक और फील्ड

रिले में मिक्स और महिलाओं की 4×400 मीटर में भारत ने गोल्ड मेडल जीता. इस दौरान स्पल चौधरी ने तीन मेडल जीतकर सबको चौंका दिया. उन्होंने महिलाओं की रिले में गोल्ड, महिलाओं की 400 मीटर में दौड़ में सिल्वर और मिक्स रिले में ब्रांज मेडल जीता.फील्ड इवेंट में भारत का प्रदर्शन काफी शानदार रहा. पूजा सिंह ने महिलाओं की हाई जंप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथलॉन में जीत हासिल की. अनिमेष कुमूर ने पुरुषों की 200 मीटर स्प्रिंट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए ब्रांज मेडल जीता, जबकि पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा सचिन पादल (जैवलिन थ्रो), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप) और तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन) ने सिल्वर मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया.

रुपल चौधरी ने रचा इतिहास

रिले में मिक्स और महिलाओं की 4×400 मीटर में भारत ने गोल्ड मेडल जीता. इस दौरान स्पल चौधरी ने तीन मेडल जीतकर सबको चौंका दिया. उन्होंने महिलाओं की रिले में गोल्ड, महिलाओं की 400 मीटर में दौड़ में सिल्वर और मिक्स रिले में ब्रांज मेडल जीता.फील्ड इवेंट में भारत का प्रदर्शन काफी शानदार रहा. पूजा सिंह ने महिलाओं की हाई जंप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथलॉन में जीत हासिल की. अनिमेष कुमूर ने पुरुषों की 200 मीटर स्प्रिंट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए ब्रांज मेडल जीता, जबकि पारुल चौधरी ने महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया. इसके अलावा सचिन पादल (जैवलिन थ्रो), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप) और तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन) ने सिल्वर मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया.

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

वाशिंगटन. ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अचानक वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. 36 साल के मैक्सवेल ने अपने 13 साल के वनडे करियर में कई यादगार पारियां खेलीं और ऑस्ट्रेलिया को दो बार वनडे वर्ल्ड कप (2015 और 2023) जिताने में अहम भूमिका निभाई. हालांकि, उन्होंने तत्काल प्रभाव से 50 ओवर के फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है, लेकिन वे टी20 इंटरनेशनल में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे. मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले, जिसमें उन्होंने 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 23 अर्धशतक जड़े. उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई 201 रनों की नाबाद पारी रही, जो वनडे इतिहास की सबसे बेहतर पारियों में से एक मानी जाती है. इस पारी में मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया को 91/7 के स्कोर से उबारकर जीत दिलाई थी, जो एक चमत्कारी प्रदर्शन था. मैक्सवेल ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया और अपने करियर



में 72 विकेट हासिल किये. मैक्सवेल ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा, ‘मुझे लगा कि मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हूं, क्योंकि शरीर परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया कर रहा है. मैंने ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उसे पूछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं. हमने 2027 के वर्ल्ड कप के बारे में बात की और मैंने उसे कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें सफल हो पाऊंगा. अब समय आ गया है कि मेरी जगह पर आने वाले लोगों के लिए योजना बनाई जाए ताकि वे इस पद पर बने रहें और इसे अपना बना सकें.

राजीव शुक्ला बन सकते हैं बीसीसीआई के अंतरिम अध्यक्ष

रोजर बिन्नी का कार्यकाल जल्द खत्म

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल जल्द खत्म होने जा रहा है. वह रिटायरमेंट की उम्र के करीब पहुंच रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला अंतरिम अध्यक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के सचिधान के अनुसार, किसी भी पदाधिकारी को 70 वर्ष उम्र के बाद अपना पद छोड़ना होगा। ऐसे में बिन्नी पद पर बने रहने के लिए अयोग्य हो जाएंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, “राजीव शुक्ला कुछ महीनों के लिए कार्यभार संभालेंगे। सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट के रूप में वह नियमों के अनुसार भूमिका निभाएंगे।” अगर राजीव शुक्ला की नियुक्त की जाती है, तो शुक्ला नए अध्यक्ष के चुने जाने



तक तीन महीने की अंतरिम अवधि के लिए अध्यक्ष की जिम्मेदारियों की देखरेख करेंगे। शुक्ला 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने भारतीय क्रिकेट प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इन भूमिकाओं में साल 2017 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सचिव

और 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का अध्यक्ष पद शामिल है। रोजर बिन्नी वनडे वर्ल्ड कप-1983 जीतने वाली भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें साल 2022 में बीसीसीआई का 36वां अध्यक्ष चुना गया था। बिन्नी ने भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जगह ली थी। गांगुली ने साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाला था। बिन्नी विजयनगरम के महाराजा और गांगुली के नक्शेकदम पर चलते हुए बीसीसीआई का नेतृत्व करने वाले तीसरे पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हैं।

रोजर बिन्नी का करियर

साल 1979 से लेकर 1987 तक रोजर बिन्नी ने भारत की ओर से 27 टेस्ट और 72 वनडे मैच खेले।

गुजरात उपचुनाव 2027 की दस्तक

> मोदी-शाह बनाम राहुल-केजरीवाल की पहली भिड़ंत

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृहराज्य गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर 19 जून को होने वाले उपचुनाव के मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है.

जूनागढ़ जिले की विसावर और महेसाणा जिले की कडी विधानसभा सीट के लिए बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं. विसावर और कडी विधानसभा के उपचुनाव को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है. इस तरह से मोदी-शाह के साथ-साथ राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल की अग्निपरीक्षा उपचुनाव में होगी.

2022 के विधानसभा चुनावों में विसावर सीट पर आम आदमी पार्टी को को जीत मिली थी, जब कडी



सीट पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था. विसावर के विधायक भूपत भायाणी बीजेपी में शामिल हो जाने के चलते



खाली हुई है तो कडी सीट बीजेपी के विधायक करसनभाई सोलंकी के निधन के चलते खाली हुई है. ऐसे में दोनों



पार्टियों के लिए अपनी जीती सीटों पर कब्जा बनाए रखने की चुनौती है. जूनागढ़ की विसावर सीट पर

देश में बड़ा जासूसी नेटवर्क बेनकाब, कई गिरफ्तार

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं. वह लगातार आतंकियों के ठिकानों का पता लगाने और जासूसी करने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी हुई हैं. देश में एक जासूसी नेटवर्क को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है कि वह किस तरह से काम करता था. जब खुफिया एजेंसी को पता चला तो उसके बाद से धड़ाधड़ गिरफ्तारियां शुरू हुईं.

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान से दर्जनों नंबर एक्टिव



हुए हैं. इन नंबर के जरिए लगातार पाकिस्तान में बातचीत हो रही थी. खुफिया एजेंसियों के लिए हैरानी की बात ये थी कि जिस नंबर से पाकिस्तान से कॉल आ रहा था और जिस नंबर पर भारत में बात और मैसैजिंग हो रही थी दोनों भारतीय सिम थे. ऐसे में खुफिया एजेंसियों का अलर्ट होना लाजमी था. इन नंबरों का खुफिया एजेंसी आईबी पिछले काफी समय से सर्विलांस कर

रही थी. ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान कुछ ऐसे नंबर एक्टिव हुए जो काफी समय से बंद थे.

ये नंबर पंजाब, हरियाणा, यूपी, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और असम में एक्टिव थे. एंक्रिप्टेड एप्प पर भी इन नंबर की गतिविधि बढ़ गई थी. पेमेंट गेटवे के जरिए पैसे भी इन्हीं नंबर पर गए है, जिसके बाद इन नंबरों को ट्रैक किया गया और जासूसी नेटवर्क का खुलासा हुआ है.

IB ने इन सभी नंबर की जानकारी स्टेट पुलिस से शेयर की, जिसके बाद अलग-अलग लोकेशन से कई लोगों की गिरफ्तारी की गई. पुछता सबूत मिलने के बाद खुफिया एजेंसियों

के इशारे पर अलग-अलग राज्य पुलिस ने कार्रवाई करना शुरू की.

हरियाणा के हिसार से ज्योति मल्होत्रा, कैथल से देवेन्द्र सिंह हिल्लों, नूंह से अस्मान व तारीफ और पानीपत से नोमान इलाही पकड़े गए थे. वहीं, पंजाब के गुरदासपुर से सुखप्रीत सिंह और कर्णवीर सिंह, मालीर कोटला से गजाला और मालीर, अमृतसर से सुरा मसीह और पलक शेर मसीह, जालंधर से मोहम्मद अली मुर्तजा पकड़े गए. इसके अलावा यूपी के रामपुर से शहजाद, वाराणसी से तोहफील, दिल्ली से मोहम्मद हासन और 7 लोग इसी जासूसी नेटवर्क में असम से पकड़े गए.

भारत में नक्सली ढेर, बांग्लादेश में शोक

ढाका.

भारत सरकार ने नक्सल और माओवादी विचारधारा खत्म करने के लिए ऑपरेशन 'कगार' चलाया हुआ है. जिसके तहत छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव केशव राव उर्फ बासवराजू समेत तकर्रीबन 27 नक्सलियों को मार गिराया गया.जहां भारत में इसको सुरक्षाबलों की कामयाबी बताया जा रहा है, वहीं बांग्लादेश में इसके ऊपर आंसू बहाए जा रहे हैं. बांग्लादेश की एक संस्थान, जिससे पहले यूएस भी जुड़े थे, उसनेके 71 प्रमुख लोगों ने भारत में हुई इन हत्याओं का विरोध किया है और इस ऑपरेशन को माओवादी अवाजों को दबाने के लिए सोची समझी साजिश



बताया गया है.

रविवार को एक बयान जारी करते हुए इन नागरिकों ने कहा कि 21 मई को नरेंद्र मोदी सरकार के सैन्य अभियान 'ऑपरेशन कगार' में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव बसव राज समेत 28 माओवादी राजनीतिक कार्यकर्ता मारे गए. हत्या के बाद एनकाउंटर का नाटक रचा गया है. साथ ही उन्होंने दावा किया कि तथाकथित माओवादी दमन अभियान के नाम पर एक योजनाबद्ध राज्य आतंकवाद

चलाया जा रहा है, बयान में कहा गया है, "रूम, बांग्लादेश की प्रातिनिधाल और लोकतांत्रिक आवाजें, इस हत्या सहित ऑपरेशन कगार के दौरान की गई सोची समझी राज्य हत्याओं की कड़ी निंदा और विरोध करते हैं.

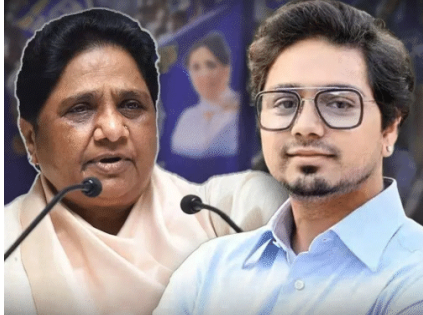
बयान जारी करते हुए इन बांग्लादेशी नागरिकों ने मांग की है कि ऑपरेशन कगार को तत्काल बंद किया जाए. साथ ही बयान में दुनिया भर के क्रांतिकारी, लोकतांत्रिक, प्रातिनिधाल और मानवाधिकार संगठनों से भारत के मूलनिवासी और उत्पीड़ित लोगों के साथ खड़े होने का आह्वान किया है.

इस ऑपरेशन का बांग्लादेश में ही नहीं भारत में भी विरोध हो रहा है. वामपंथ विचारधारा के संघटन भी इस ऑपरेशन का विरोध करत रहे हैं. वहीं कई नेताओं ने मांग की है इसको रोका जल्द से जल्द रोका जाए.

'कुछ लोगों की नाराज़गी जायज़, लेकिन जरूरी था बदलाव'

> आकाश आनंद पर बोलीं मायावती नई दिल्ली.

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भतीजे आकाश आनंद की वापसी और पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के फैसले को एक बार फिर बचाव किया है. उन्होंने कहा कि पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने और पश्चाताप करने पर माफी दिए जाने की परंपरा है. आकाश को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाए जाने से बहुत लोगों को तकलीफ हो रही है. साथ ही यह उम्मीद भी जताई कि आकाश अपने मकसद में कामयाब होंगे. पूर्व



मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने पोस्ट के जरिए उम्मीद जताई कि आकाश आनंद बाबा अंबेडकर और काशीराम के सपनों को पूरा करने में कामयाब होंगे. उन्होंने कहा, "देश में बीएसपी

बहुजन हित की बात करने वाली अकेली अंबेडकरवादी पार्टी है और पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने और उनकी ओर से पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की भी परंपरा है."

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को लेकर उम्मीद जताते हुए कहा, "पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर और मान्यवर काशीराम के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने तथा उनके सपनों

'पाकिस्तान के टुकड़े तय हैं' - अनिल विज का बयान

>दिया अंकगणितीय तर्क चंडीगढ़.

हरियाणा सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता अनिल विज अपने तीखे बयानों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं. अनिल विज ने एक बार फिर पाकिस्तान से लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है.

विज ने पाकिस्तान को लेकर भविष्यवाणी करते हुए कहा कि आने वाले 50 सालों में पाकिस्तान का विनाश हो जाएगा.वहीं विज ने मल्लिकार्जुन खरगे को पाकिस्तानी अध्यक्ष और पिटा हुआ मोहरा बताते हुए कहा कि उनको पाकिस्तान की ही तारीफ सुनना पसंद है.



खरगे को बताया 'पिटा हुआ मोहरा'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को चुनाव प्रचार से पीछे हट जाना चाहिए. इस बयान पर विज ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खरगे जी से पूछ कर कोई काम नहीं करेंगे? उन्होंने कहा कि खरगे साहब तो पीटे हुए मोहरे हैं और ऐसे लोगों से कभी कुछ पूछा नहीं जाता. पूछा तो सफल व्यक्तियों से जाता है और प्रधानमंत्री जी अपने कार्यक्रम सही बना रहे हैं और सीधा जनता तक पहुंच रहे हैं .

इसके अलावा विज ने अरविंद

केजरीवाल पर भी निशाना साधा

मोदी के गढ़ में बीजेपी का इम्तिहान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह जनपद में आने वाली कडी सीट अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व है. बीजेपी के विधायक करसन भाई सोलंकी के निधन की वजह से यहां पर उपचुनाव हो रहा है. इस सीट पर गुजरात की महेश्वर गाायिक काजल महेरिया ने भी टिकट मांगा था, लेकिन पार्टी ने यहां से राजेंद्र चावड़ा को उम्मीदवाद बनाया है. कांग्रेस ने कडी से विधायक रह चुके रमेश चावड़ा को टिकट दी है. वे 2017 के चुनाव में करसन भाई सोलंकी से 7746 वोटों से हारे थे. रमेश चावड़ा 2012 से 2017 तक विधायक रह चुके हैं.

आम आदमी पार्टी ने गोपाल इटालिया, बीजेपी ने किरीट पटेल और कांग्रेस ने नितिन रणपारिया को प्रत्याशी बनाया है. ऐसी महसेणा की कड़ी सीट पर बीजेपी के राजेंद्र चावड़ा, कांग्रेस के रमेश चावड़ा और आम आदमी पार्टी के जगदीश चावड़ा किस्मत आजमा रहे हैं.

2022 में विसावर से भूपत भायाणी ने जीत दर्ज की थी, लेकिन

बीजेपी ने उनकी जह किरीट पटेल को उतारा है.

इस तरह दोनों ही सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस, बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला बनता नजर आ रहा है.

विसावर सीट पर आम आदमी पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को उतारकर चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है.

जॉर्जिया मेलोनी की बेटी क्यों है सुर्खियों में ?

रोम.

श्री जिनिपिंग के बाद अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की नाबालिगा बेटी सुर्खियों में हैं. दरअसल, इटली के ही एक प्रोफेसर ने एक घटना को लेकर मेलोनी की बेटी पर गलत टिप्पणी कर दी. इस टिप्पणी के बाद पूरे इटली में प्रोफेसर की आलोचना होने लगी. सरकार भी हकत में आ गई.

इटली की स्थानीय मीडिया के मुताबिक अपनी गंदी बात को लेकर प्रोफेसर ने माफ़ी की मांग की है. हालांकि, सरकार प्रोफेसर को हटाने की तैयारी में है. इटली की स्थानीय मीडिया के मुताबिक



टिप्पणी करने वाले प्रोफेसर नेपल्स प्रांत के एक हाई स्कूल पढ़ाते हैं. जर्मनी लैंबेज के प्रोफेसर का नाम स्टेफानो अडेओ है. एक घटना को लेकर प्रोफेसर आवेग में आ गए और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मेलोनी की बेटी को लेकर गलत टिप्पणी कर गए. रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर का कहना

था कि मेलोनी लोगों का दुख जब समझेंगी, जब उनके बेटी के साथ मौत का हादसा हो जाए. प्रोफेसर अडेओ की इस टिप्पणी का लोगों ने जमकर विरोध किया. बवाल मचने के बाद प्रोफेसर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर माफ़ी की मांग की. प्रोफेसर का कहना है कि मैंने इस तरह की गंदी बात क्यों लिखी, इसका मुझे अभी तक पता नहीं चल पा रहा है.

अडेओ का कहना है कि मैं किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करता

मोबाइल में उलझी नर्स की लापरवाही

बेंगलुरु.

कर्नाटक के वेल्लोर से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक सरकारी अस्पताल में एक नर्स ने लापरवाही करते हुए एक नवजात शिशु की उंगली ही काट दी. आरोप है कि नर्स फोन पर बात करते-करते काम कर रही थी. ऐसे में उसका ध्यान फोन पर था और उसे टेप काटना था. लेकिन उसने टेप की बजाय नवजात शिशु की उंगली ही काट दी. इसके बाद बच्चे के पिता को उससे डेढ़ घंटे तक मिलने की नहीं दिया गया.ये घटना 24 मई को सरकारी अस्पताल में घटी. जहां मल्लिखाल्लम के रहने वाले विमल राज अपनी पत्नी निवेद्या को डिलीवरी के लिए लेकर आए थे. अस्पताल में निवेद्या ने बेटे को जन्म दिया था. बच्चा थोड़ा कमजोर था और उसके शरीर में शुगर की मात्रा कम थी. ऐसे में डॉक्टरों ने नवजात शिशु



को र्ल्स्कोज चढ़ाने के लिए कहा. नवजात को एक नर्स र्ल्स्कोज चढ़ा रही थी.

इस दौरान नर्स नवजात के हाथ से सुई निकाल रही थी. सुई पर लगे टेप को हटाने के लिए नर्स कैची का इस्तेमाल कर रही थी. तभी उसने टेप काटने की बजाय बच्चे की उंगली ही काट दी. पिता विमल राज का आरोप है कि इस घटना के वक्त नर्स फोन पर बात कर रही थी और उसका ध्यान फोन में लगा हुआ था. ऐसे में लापरवाही करते हुए उसने टेप की

हूं. मैं एक अहिंसक व्यक्ति हूं. कक्षा के बच्चे मुझे खूब मानते हैं. मैंने लिखने के लिए एआई की मदद ली थी, इसलिए मेरे से गलती हुई.2015 में जॉर्जिया मेलोनी ने एंड्रिया जियाम्बुनो से शादी की. दंपति की 2016 में एक बेटी पैदा हुई. कई मौकों पर मेलोनी को अपनी बेटी के साथ सार्वजनिक तौर पर देखा गया है. मेलोनी अपने पास ही बेटी को रखती हैं. 2023 में मेलोनी और उनके पति के बीच तलाक हो गया. मेलोनी के पूर्व पति ने दूसरी शादी कर ली, जबकि मेलोनी राजनीति में व्यस्त हो गईं. वर्तमान में मेलोनी के पास इटली का सबसे पावरफुल बंद प्रधानमंत्री की कुर्सी है.

जगह बच्चे की उंगली काट दी.

इस

घटना

के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया. मामले

की जानकारी वेल्लोर की जिलाधिकारी सुबुल्लक्ष्मी को दी गई. उन्होंने इस मामले में जांच के आदेश देते हुए कहा कि अगर नर्स दोषी पाई जाती है और फोन पर बात करने वाली बात सच साबित होती है तो नर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि र्ल्स्कोज से सुई निकालने के लिए कैची के इस्तेमाल की जरूरत नहीं थी. उस काम को हाथ से भी किया जा सकता था.

Where heritage meets nature

Karnataka

5Nights | 6Days

Mysore | Ooty | Coorg

₹ 21500/- PP

Min-06 Pax

Bengaluru to Bengaluru

BREAKFAST & DINNER

ACOMODATION

SIGHTSEEING

TRANSPORT

83083 78686| 0712 6663786

domestic@btpyatra.com

www.btpyatra.com

●●●●●

●●●●●

●●●●●